वैशाख कृष्ण पक्ष- 11, 2083 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 280 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए
डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
16 अप्रैल 2026
गुरुवार

आज का मौसम
39.8 अधिकतम
22.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर
दोपहर मेट्रो

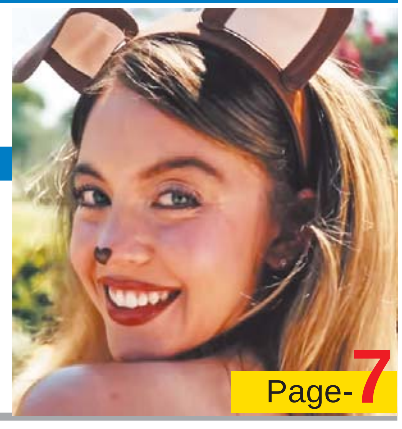
Page-7

संसद का विशेष सत्र... महिला आरक्षण से जुड़े तीन संशोधन बिल लोकसभा में पेश

परिसीमन पर टकराव, विपक्ष बोला- सरकार संविधान को हाईजैक करना चाहती है

नईदिल्ली, एजेंसी

महिला आरक्षण कानून में संशोधन से जुड़े तीन बिल आज लोकसभा में पेश किए गए। इसके बाद वोटिंग हुई कि बिलों पर चर्चा की जाए या नहीं। पक्ष में 251 वोट पड़े,185 सांसदों ने विरोध किया। विपक्ष का विरोध इस बात पर है कि सीटों का परिसीमन 2011 की जनगणना के आधार पर करने का प्रस्ताव है। उसका कहना है कि अब जबकि जनगणना का काम शुरू हो गया है तब इसके नए आंकड़ों के साथ ही परिसीमन किया जाए। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने बिलों का विरोध करते हुए कहा कि सरकार संविधान को हाईजैक करना चाहती है। इसके बाद सपा सांसद धर्मेंद्र यादव ने विरोध किया। कहा कि जब तक मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण नहीं दिया जाएगा, तब तक इसका मतलब नहीं है। इस पर अमित शाह ने कहा- मुस्लिमों को धर्म के आधार पर आरक्षण गैर संवैधानिक है, इसका सवाल ही पैदा नहीं होता।

अखिलेश यादव ने कहा- पूरा देश आधी आबादी के लिए आरक्षण चाहता है। मैं जानना चाहता हूं कि मुस्लिम महिलाओं के लिए क्या। इस

अखिलेश यादव ने मुस्लिम महिलाओं को आरक्षण का मुद्दा उठाया तो शाह बोले... समाजवादी पार्टी सभी टिकट मुस्लिमों को दे दे

पर अमित शाह ने जवाब दिया कि समाजवादी पार्टी पूरी टिकटें मुस्लिम महिलाओं को दे दे, हमें कहां आपत्ति है। संशोधन बिल में लोकसभा सांसदों की संख्या 850 करने का प्रस्ताव है। जबकि मौजूदा संख्या 543 है। राज्यों में 815 और केंद्र शासित प्रदेशों में 35 तक सीटें होंगी। सीटों की सटीक संख्या तय करने के लिए परिसीमन भी किया जाएगा। 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी।

तीनों बिलों पर भाजपा की तरफ से अर्जुन राम मेघवाल ने चर्चा की शुरुआत की। उन्होंने कहा- हमारे संविधान निर्माताओं ने संविधान को यह शक्ति दी है कि संशोधन करके लोकहित के फैसले ले सकते हैं। ये तीनों बिल, महिलाओं के लिए हैं। हमारे पास सामाजिक न्याय के लिए नीयत भी है, नीति भी है और मोदी जैसा नेता भी है। भाजपा की तरफ से बहस में सांसद बांसुरी स्वराज, रक्षा खडसे, अपराजिता सारंगी, कंगना रनोट और धर्मशीला गुप्ता शामिल होंगी। तीनों बिलों पर 17 अप्रैल को शाम 4 बजे वोटिंग होगी। सरकार ने 12 घंटे चर्चा का समय तय किया है।

बिरला ने किया रूल 72 का इस्तेमाल: शुरुआत में बिल पेश होने के पहले विपक्ष ने विरोध किया तो लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने रूल 72 का जिक्र किया, जो बिल की शुरुआत के विरोध पर स्पीकर को तुरंत फैसला लेने का अधिकार देता है। यह नियम सदन की कार्यवाही को सुचारू रखने का सबसे मजबूत औजार है खासकर जब विपक्ष बिल को रोकने की कोशिश करता है। यह नियम दिखने में भले ही एक सामान्य प्रक्रियात्मक प्रावधान लगे, लेकिन इसका असर बेहद गहरा और राजनीतिक होता है। किसी भी बिल की शुरुआत यानी उसका इंट्रोडक्शन पूरी विधायी प्रक्रिया की पहली और सबसे अहम सीढ़ी होती है। अगर यही कदम रुक जाए तो आगे की पूरी रणनीति वहीं अटक जाती है। आज विपक्ष की कोशिश भी यही थी कि बिल की शुरुआत को ही रोका जाए, ताकि आगे की प्रक्रिया धीमी या बाधित हो सके, लेकिन स्पीकर ने नियम 72 लागू कर इस घेराबंदी को तुरंत तोड़ दिया।

विपक्ष ने पहले ही तय कर लिया था विरोध - शाह

अमित शाह ने कहा- ये दो कानून जरूरी थे, इसलिए साथ में लाए गए। संविधान संशोधन के बाद जो जरूरत उत्पन्न होती है इसलिए इन्हें लाया गया। अभी हम चर्चा करेंगे। विपक्ष ने बस कल मीटिंग में तय किया कि वे विरोध करेंगे इसीलिए हंगामा कर रहे हैं। उन्होंने कहा - मैं देश को बताना चाहता हूं जनगणना जारी है। सरकार जातीय जनगणना का निर्णय ले चुकी है। जाति के साथ ही यह जनगणना हो रही है। अभी घरों की गिनती हो रही है और घरों की जाति नहीं होती है। जब लोगों की गणना होगी तो जाति की भी गणना होगी। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि गृह मंत्री ने इस बिल को पारित करने का प्रस्ताव रखा है। इसलिए दोनों बिल पर चर्चा हो सकती है।

INDIAN PREMIER LEAGUE
मुंबई-पंजाब, समय : शाम 7.30 बजे

न्यूज विंडो

राष्ट्रपति पुतिन ब्रिक्स के लिए फिर आएंगे भारत

नई दिल्ली। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए एक बार फिर से भारत का दौरा करेंगे। बता दें इससे पहले उन्होंने बीते दिसंबर में भारत का दौरा किया था। ब्रिक्स देशों (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका व नए सदस्य देशों) के नेताओं की यह वार्षिक बैठक आर्थिक सहयोग, व्यापार, वैश्विक शासन और भू-राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए आयोजित की जाती है।

इंदौर-बुधनी रेल परियोजना में दो सुरंगों की खुदाई पूरी

इंदौर। इंदौर-बुधनी नई रेल लाइन परियोजना के तहत सुरंग निर्माण कार्यों में रेल विकास निगम, भोपाल ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। रेल विकास निगम ने सुरंग-दो (मुख्य सुरंग) में 500 मीटर एवं सुरंग-एक में 100 मीटर भूमिगत खुदाई कार्य पूरा कर लिया है। यह महत्वपूर्ण नई रेल लाइन परियोजना महत्वपूर्ण है जिससे इंदौर और जबलपुर के बीच दूरी लगभग 68 किमी कमी होगी। इससे यात्रा समय कम लगेगा एवं माल परिवहन में सुधार के माध्यम से मध्य प्रदेश में क्षेत्रीय आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

नारी शक्ति वंदन के लिए नगर निगम का विशेष सत्र

भोपाल। नगर निगम परिषद भोपाल का आज विशेष सम्मेलन बुलाया गया है जिसमें नारी शक्ति वंदन के संबंध में चर्चा की जाएगी। सम्मेलन में महिला पार्षद अधिनियम पर मंथन और चर्चा कर रही हैं। बता दें कि प्रदेश में नारी शक्ति वंदन पखवाड़े का आयोजन हो रहा है। 10 से 25 अप्रैल तक कई कार्यक्रम होंगे।

आज का कार्टून

समझौते के करीब अमेरिका-ईरान... सीजफायर की अवधि खत्म होने से पहले हो सकती है डील

शांति की 'गुड न्यूज' के आसार

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी. एजेंसी

अमेरिका और ईरान के बीच एक पखवाड़े के युद्ध विराम की अवधि 21 अप्रैल को खत्म हो रही है और दोनों देश इससे पहले समझौते के करीब पहुंच रहे हैं। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच बातचीत आगे बढ़ी है, हालांकि कुछ मतभेद अब भी बाकी हैं। इस बीच तेहरान में ईरानी अधिकारियों और पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर के बीच अहम बैठक हो रही है । मुनीर ईरान पहुंचकर विदेश मंत्री अब्बास अराघची से मुलाकात कर चुके हैं। माना जा रहा है कि और वे अमेरिका का संदेश लेकर गए हैं।

खबर है कि पाकिस्तान, मिस्र और तुर्की मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं। उधर, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर के साथ मिलकर बातचीत और ड्राफ्ट प्रस्ताव साझा कर रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक, डील के लिए सीजफायर को बढ़ाया जा सकता है। हालांकि अमेरिका ने अभी औपचारिक सहमति नहीं दी है। अमेरिकी अधिकारियों का कहना है कि होर्मुज स्ट्रेट में ट्रम्प की नौसैनिक नाकेबंदी और आर्थिक दबाव के कारण ईरान पर समझौते का दबाव बढ़ रहा है। अमेरिका ने दावा किया है कि नाकेबंदी के बाद पिछले 48 घंटों में कोई भी जहाज ईरानी बंदरगाहों तक नहीं पहुंचा। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के मुताबिक, इस दौरान 9 जहाजों को लौटा दिया गया। ईरान रोजाना करीब 15 लाख बैरल

ईरानी अधिकारियों और पाकिस्तानी सेना प्रमुख के बीच बैठक

तेल निर्यात करता है। इससे उसे लगभग 140 मिलियन डॉलर की आय होती है, लेकिन नाकेबंदी से इस कमाई पर असर पड़ सकता है। ईरान के खार्ग द्वीप से लगभग 90 फीसदी तेल निर्यात होता है, जो नाकेबंदी के चलते प्रभावित हो सकता है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, अगर ईरान तेल निर्यात नहीं कर पाया, तो उसे उत्पादन रोकना पड़ सकता है, जिससे आर्थिक नुकसान होगा। युद्ध से पहले भी ईरान की अर्थव्यवस्था प्रतिबंधों के कारण दबाव में थी, लेकिन अब हालात और बिगड़ गए हैं।

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट

व्हाइट हाउस की ईरान के साथ नई बातचीत को लेकर 'आशावादी' बयान के बाद आज अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हल्की गिरावट दर्ज की गई। रॉयटर्स के मुताबिक, ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स 44 सेंट यानी 0.5 फीसदी गिरकर 94.49 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। वहीं, अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड 70 सेंट यानी 0.8 फीसदी गिरकर 90.59 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा।

34 साल बाद इजराइल - लेबनान बातचीत की टेबल पर साथ आए

मिडिल ईस्ट में जारी तनाव के बीच एक बड़ी कूटनीतिक घटना देखने को मिली है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया है कि इजरायल और लेबनान के नेता 34 साल बाद पहली बार सीधे बातचीत करने वाले हैं। यह बैठक आज होने वाली है और

इसे दशकों पुरानी दुश्मनी में संभावित 'पहली दरार' माना जा रहा है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच 'थोड़ी राहत' लाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने लिखा कि करीब 34 साल से दोनों नेताओं के बीच कोई बातचीत नहीं हुई और अब यह ऐतिहासिक मुलाकात होने जा रही है। हालांकि ट्रंप ने नेताओं के नाम स्पष्ट नहीं किए, लेकिन माना जा रहा है कि यह बातचीत इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन के बीच होगी।

अवैध ईदगाह पर बुलडोजर, संभल में टूटने लगा इमामबाड़ा

संभल, एजेंसी

यूपी के संभल में भारी पुलिसबल के साथ प्रशासन ने बिछौली गांव में अवैध ईदगाह और इमामबाड़े को तोड़ने की कार्रवाई शुरू की। अवैध ईदगाह पर बुलडोजर एक्शन कर जमींदोज कर दिया गया है। वहीं इमामबाड़ा को खुद मुस्लिम समुदाय के लोग तोड़ने लगे। जिसके बाद सूचना मिलते ही मौके पर एसडीएम पहुंची और मुस्लिम समुदाय को रोका गया। अब कुछ देर बाद प्रशासन खुद इमामबाड़े को तोड़ने का कार्य बुलडोजर से करेगी। संभल के बिछौली में इमामबाड़े पर तीन बुलडोजरों से ढांचे को गिराया जा रहा है, जबकि छतों पर तैनात पुलिसकर्मी सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। पूरे इलाके में सख्त निगरानी के बीच प्रशासन अलर्ट मोड में है। मामले की शुरुआत जनवरी माह में हुई थी, जब लेखपालों की टीम ने मौके पर पहुंचकर भूमि की पैमाइश की थी। जांच रिपोर्ट तैयार कर तहसीलदार को सौंपी गई थी। जिसमें अवैध कब्जे की पुष्टि हुई थी।

डिजिटल जनगणना के पोर्टल की शुरुआत

भोपाल। प्रारंभिक पंजीकरण की प्रक्रिया के साथ प्रदेश में जनगणना 2027 की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसी के तहत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज डिजिटल जनगणना के स्व-गणना पोर्टल की शुरुआत की।

आने वाले दिनों में और तीखे होंगे गर्मी के तेवर

25 शहरों में पारा 40°, 16 जिलों में लू का अलर्ट

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश में गर्मी के तेवर तीखे हो गए हैं। 25 शहरों का तापमान 40 डिग्री पार हो चुका है। बुधवार को छतरपुर का नौगांव सबसे गर्म रहा जहाँ तापमान 42.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

राज्य के 16 जिलों में लू की चेतावनी जारी की गई है। मौसम केंद्र भोपाल की ओर से सीजन में पहली बार इतने ज्यादा जिलों में अलर्ट जारी किया गया है। इनमे रतलाम, झाबुआ, धार, अलीराजपुर, बड़वानी, खरगोन,

बुरहानपुर, खंडवा, हरदा, नर्मदापुरम, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और बालाघाट शामिल हैं। खजुराहो में 42.2 डिग्री सेल्सियस, रतलाम में 42 डिग्री और नर्मदापुरम में तापमान 41.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं मंडला में 41.6 डिग्री, सतना में 41.5 डिग्री, सीधी में 41.2 डिग्री और शाजापुर में 41 डिग्री रहा।

इस मौसम में छोटे बच्चों, गर्भवती महिलाओं, बुजुर्ग और गंभीर बीमारियों से ग्रसित मरीजों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले कुछ दिनों तक गर्मी के एवर ओर तीखे होने के आसार हैं। इस बार अप्रैल के महीने में ही तापमान 44 तक जाने की सम्भावना जताई गई है।

कैसे थमेगी ईरान से जंग... असीम मुनीर के भरोसे क्यों हैं ट्रम्प?

होर्मुज के साथ फारस की खाड़ी, ओमान की खाड़ी और यमन के मुहाने पर लाल सागर तक मंदेव चैक प्वाइंट्स को ब्लॉक करने की ईरान की ताजा धमक महज एक बयान नहीं, बल्कि वैश्विक ऊर्जा सप्लाई पर सीधा वार है। अमेरिका पर रणनीतिक पलट दवाब है। सवाल है, क्या डोनाल्ड ट्रम्प इसी तरह बयानबाजी करते रहेंगे या कोई ठोस रणनीति सामने आएगी?

वॉर एनालिसिस

● राजेश सिरोठिया

अमेरिकी संसद में ट्रम्प को भले जंग लड़ने की छूट मिल गई है, लेकिन होर्मुज की खाड़ी में रणनीतिक दवाब से ईरान की आर्थिक कमर तोडने् की नीति पर वे कब तक टिक सकेंगे? आगे पीछे जंग तो उन्हें रोकना ही पड़ेगी। ट्रम्प ने यह दावा किया है कि अब चीन ईरान को हथियार नहीं देगा इसलिए उसके लिए होर्मुजसे तेल लेने पर कोई पाबंदी नहीं। यहां तक भी कहा कि वह चीन जाकर राष्ट्रपति शी जिनपिंग की झप्पी भी लेगें। कागजों पर यह यह बयान आकर्षक है, लेकिन हकीकत यह है कि ईरान और चीन ने ट्रम्प के इस दावे पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। फिर यह क्या है ? सिर्फ कूटनीति या सिर्फ नया नैरेटिव सेट करने की कोशिश? हॉर्मुज के आसपास अमेरिकी सैन्य मौजूदगी को लेकर ट्रम्प और उनकी सेना के बयान एक-दूसरे से मेल नहीं खाते। कभी पीछे हटने की बात, कभी ताकत बढ़ाने का संकेत। क्या वॉशिंगटन खुद तय नहीं कर पा रहा कि उसे युद्ध चाहिए या समझौता? अमेरिकी सीनेट से मिली छूट के सहारे क्या ट्रम्प जंग जारी रख पाएंगे ? सीनेट का राजनीतिक समर्थन उन्हें कितनी आजादी देगा?

ट्रम्प बनाम जेडी वेन्स और पोप : ट्रम्प से बिल्कुल विपरीत अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेन्स की राय बिल्कुल साफ है कि जंग तुरंत खत्म हो। वे इसकी कोशिश भी कर रहे हैं। लेकिन कभी यह भी लगता है कि उनकी कोशिशों पर पानी फेरने की कवायद जारी है जो अमेरिका की सियासत में अंदरूनी टकराव की ओर संकेत करता है। या फिर यह दुनिया को भ्रमित करने की कोई रणनीति है ? दुनिया के मसीही समाज के मुखिया यानि पोप लियो की शांति अपीलों पर ट्रम्प के खीझ भरे बयान साबित करते हैं कि धार्मिक नेता और वैश्विक आवाजों की अनदेखी कोई कूटनीति नहीं बल्कि उन पर हावी रणनीतिक जिद है। जेडी वेन्स इस मसले पर भी नाइत्तेफाकी जता चुके हैं।

मुनीर फैक्टर - कितना जरूरी, कितनी मजबूरी

ट्रम्प ईरानी जमीन पर अपना सैन्य ठिकाना तो नहीं बना सके, अब उनकी नजर फिर पाकिस्तान पर है। इसके लिए असीम मुनीर के बतौर उनका चुनाव बिल्कुल सही है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को पाकिस्तान के ही कई नेता मुनीर की कठपुतली मानते हैं। इस लिहाज से पाकिस्तान को अपना सैन्य बेस और मुनीर को मोहरा बनाने की रणनीति ठीक कही जा सकती है। पर सवाल यही है कि मुनीर क्या वाकई शांति के दूत बन सकते हैं? या तेहरान और वॉशिंगटन के बीच वह संदेशवाहक बनकर रह जाएंगे? ट्रम्प के लिए मुनीर मध्यस्थ नहीं बल्कि मजबूरी भरा विकल्प हैं और यही सुलह वार्ता की सबसे बड़ी कमजोरी है। ट्रम्प की परेशानी का अगला सबब सऊदी अरब का अमेरिका पर टूटता भरोसा है। सऊदी विदेश मंत्री ने कहा है कि जब अमेरिका खुद अपनी सुरक्षा नहीं कर सका को हमारी सुरक्षा क्या खाक करेगा? यह सिर्फ नाराजगी नहीं, बल्कि रणनीतिक बदलाव का संकेत है। क्या सऊदी अरब अब पाकिस्तान के ज़रिए अपनी सुरक्षा का नया मॉडल खोज रहा है? अगर ऐसा हुआ तो क्या ईरान इसे स्वीकार करेगा? ट्रम्प जंग के जल्द खात्मे की बातें भी करते हैं और युद्ध को लेकर आक्रामक संकेत भी देते हैं। इससे तस्वीर साफ नहीं बल्कि और धुंधली हो रही है। जरूरी सवाल यह कि जंग सच में खत्म होने जा रही है, या सुलह की कवायद सिर्फ एक रणनीतिक विराम है?

सड़क निर्माण बना मुसीबत, ज्योति टॉकीज रोड पर दिनभर लग रहा जाम

भोपाल के व्यस्ततम मार्गों में शामिल ज्योति टॉकीज रोड इन दिनों लोगों के लिए मुसीबत का सबब बन गया है। यहां चल रहे सड़क निर्माण कार्य के कारण बोर्ड ऑफिस चौराहे से लेकर ज्योति टॉकीज तक रोजाना लंबा ट्रैफिक जाम लग रहा है। सुबह से शुरू होने वाली यह समस्या शाम तक बनी रहती है, जिससे हजारों वाहन चालकों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों और वाहन चालकों का कहना है कि सड़क निर्माण कार्य की गति धीमी है और कहीं-कहीं अधूरी खुदाई के कारण रास्ता संकरा हो गया है। ऐसे में दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को घंटों जाम में फंसना पड़ता है। खासकर ऑफिस जाने और स्कूल टाइम के दौरान स्थिति और भी खराब हो जाती है। जाम के कारण एम्बुलेंस और जरूरी सेवाओं के वाहनों को भी निकलने में मुश्किलें आ रही हैं। कई बार लोग वैकल्पिक रास्तों का सहारा लेते हैं, लेकिन वहां भी ट्रैफिक का दबाव बढ़ जाता है। स्थानीय नागरिकों ने नगर निगम और प्रशासन से मांग की है कि सड़क निर्माण कार्य को जल्द पूरा किया जाए और ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने के लिए मौके पर पुलिस बल तैनात किया जाए, ताकि लोगों को राहत मिल सके। अगर जल्द समाधान नहीं निकाला गया, तो आने वाले दिनों में यह समस्या और विकराल रूप ले सकती है।

मिलिंग प्रभावित, मिलर्स डिफाल्टर, शासन को आर्थिक नुकसान

नुकसान की भरपाई न करने से 1200 राइस मिलों पर वित्तीय संकट, इनमें से 700 बंद

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश का राइस मिल उद्योग इन दिनों गंभीर वित्तीय संकट से गुजर रहा है। प्रदेश की करीब 1200 राइस मिलों में से लगभग 700 मिलें बंद हो चुकी हैं या बंद होने की स्थिति में पहुंच गई हैं। मिलर्स का आरोप है कि सरकार द्वारा तय अपग्रेडेशन राशि, कस्टम मिल्ड राइस (सीएमआर) और अन्य मदों की बकाया राशि का भुगतान न होने के कारण उनकी आर्थिक हालत बिगड़ गई है। बैंक ऋण, बिजली बिल, मजदूरी और अन्य खर्चों का भार उठाना मुश्किल हो गया है, जिससे बड़ी संख्या में मिलर्स डिफाल्टर हो रहे हैं।

बकाया भुगतान न मिलने से बढ़ा संकट : प्रदेश चावल उद्योग महासंघ के पदाधिकारियों के अनुसार, वर्ष 2024-25 के धान अपग्रेडेशन (साफ-सफाई) का लगभग 170 करोड़ रुपये अब तक नहीं मिला है। इसके अलावा बारदाने की उपयोगिता व्यय, मिलिंग, परिवहन, हम्माली और अन्य खर्चों की करीब 30 करोड़ रुपये की राशि भी बकाया है। इस देरी ने मिलर्स की वित्तीय स्थिति को पूरी तरह कमजोर कर दिया है।

सरकार से मुलाकात, समाधान का आश्वासन : महासंघ के प्रतिनिधियों ने उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल और खाद्य नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत से मुलाकात कर अपनी समस्याएं रखीं। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि मिलर्स के सुझावों और समस्याओं का परीक्षण कर उचित समाधान निकाला जाएगा। महासंघ ने ज्ञापन सौंपकर जल्द भुगतान की मांग की है।

धान के खराब होने का खतरा बढ़ा

मिलिंग कार्य धीमा होने से ओपन कैप में रखी हजारों करोड़ रुपये की धान पर सड़ने का खतरा मंडरा रहा है। बारिश के मौसम में यह संकट और गहरा सकता है। इससे न केवल मिलर्स बल्कि शासन को भी भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है।

उद्योग बचाने के लिए जल्द निर्णय जरूरी

महासंघ का कहना है कि यदि जल्द बकाया राशि का भुगतान और नीति में सुधार नहीं किया गया तो राइस मिल उद्योग पूरी तरह ठप हो सकता है। इससे हजारों लोगों की आजीविका प्रभावित होगी और प्रदेश की अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर पड़ेगा।

मिलिंग नीति-रेशो पर सवाल

महासंघ के अध्यक्ष आशीष अग्रवाल ने बताया कि भारतीय खाद्य मंत्रालय की टेस्ट मिलिंग रिपोर्ट में चावल की झड़ती 67 प्रतिशत से कम और टूटन 25 प्रतिशत से अधिक पाई गई है। इसके बावजूद 67 प्रतिशत चावल जमा करने का नियम लागू है, जिससे मिलर्स को नुकसान हो रहा है। टूटे चावल को कम कीमत पर बेचना पड़ता है, जिसकी भरपाई के लिए अपग्रेडेशन राशि दी जानी थी, लेकिन वह भी नहीं मिली।

मिलिंग में गिरावट

वर्तमान स्थिति के चलते प्रदेश में मिलिंग कार्य प्रभावित हुआ है और अब तक केवल पांच प्रतिशत मिलिंग ही हो सकी है। मिलर्स की अनिच्छा के कारण वर्ष 2025-26 की धान मिलिंग भी प्रभावित होने की आशंका है। इससे शासन को हर महीने करीब 200 करोड़ रुपये का अतिरिक्त ब्याज, भंडारण शुल्क और सूखत का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

यूनाइटेड स्पोर्ट्स एरीना में होंगे मुकाबले

राजधानी में बैडमिंटन की अपनी लीग लॉन्च, मई से भिड़ेंगी 8 टीमें

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

शहर के बैडमिंटन खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों के लिए एक नई पहल सामने आई है। विशाल फिटनेस प्लैनेट द्वारा आयोजित यूनाइटेड बैडमिंटन लीग की आधिकारिक घोषणा कर दी गई। इस दौरान वेन्यू और आयोजन से जुड़ी अहम जानकारियां साझा की गईं।

आयोजकों के अनुसार, यूबीएल का पहला सीजन मई 2026 से शुरू होगा, जिसमें शहर की 8 टीमें हिस्सा लेंगी। सभी मुकाबले ईदगाह स्थित यूनाइटेड स्पोर्ट्स एरीना में खेले जाएंगे, जहां खिलाड़ियों को वर्ल्ड क्लास सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।

भोपाल को स्पोर्ट्स हब बनाने की पहल

प्रेस कॉन्फ्रेंस में आयोजक विशाल वर्मा ने कहा, विशाल फिटनेस प्लैनेट का उद्देश्य हमेशा से भोपाल को फिटनेस और स्पोर्ट्स का हब बनाना रहा है। यूबीएल उसी दिशा में एक बड़ा कदम है। यहां खिलाड़ियों और दर्शकों को प्रोफेशनल स्तर का अनुभव मिलेगा।

राउंड-रॉबिन और प्लेऑफ फॉर्मेट

लीग को प्रतिस्पर्धी और रोमांचक बनाने के लिए राउंड-रॉबिन और प्लेऑफ फॉर्मेट अपनाया गया है। हर टाई में कई मुकाबले होंगे, जिससे दर्शकों को लगातार एक्शन देखने को मिलेगा।

7 लाख की प्राइज मनी, लाइव प्रसारण

यूबीएल की कुल प्राइज मनी 7 लाख रुपए रखी गई है। इसके साथ ही मैचों का सीधा प्रसारण भी किया जाएगा, जिससे शहर के बाहर के दर्शक भी लीग से जुड़ सकेंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्य अतिथि के रूप में श्वेता चौकसे मौजूद रहीं। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की लीग से स्थानीय खिलाड़ियों को बड़ा मंच मिलेगा और वे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होंगे।

निष्कर्ष नहीं अंतर्द्वंद के साथ समाप्त होती है लघुकथा - कांता रॉय

भोपाल। लघुकथा निष्कर्ष नहीं देती बल्कि अंतर्दवंद के साथ समाप्त होती है, इसमें सांकेतिकता, संक्षिप्तता के साथ कलात्मकता का बड़ा महत्व है । यह उदगार निदेशक लघुकथा शोध केंद्र समिति भोपाल कांता रॉय ने व्यक्त किए। वे लघुकथा शोध केंद्र समिति द्वारा आयोजित साप्ताहिक ऑनलाइन बुधवारीय लघुकथा गोष्ठी एवं विमर्श के आयोजन में बोल रही थीं। श्रीमती अंजना मनोज गर्ग,कोटा (राजस्थान) द्वारा प्रस्तुत लघुकथाओं के पाठ के पश्चात् आयोजित विमर्श में वे मुख्य समीक्षक वक्ता रहीं। कार्यक्रम का संचालन ज्योति करंजगावकर ने किया और स्वागत वक्तव्य केंद्र के महासचिव घनश्याम मैथिल अमृत ने दिया। इस गोष्ठी में अंजना गर्ग ने 'अपने नाम के साथ' स्त्री की पहचान और अस्मिता की लघुकथा, 'राहत ' बिटिया के घर से बाहर जाने की चिंता को दर्शाती लघुकथा, 'रक्षा बंधन' परिवार में स्त्रियों के टकराव को लेकर बुनी गई 'विस्तार और महत्व' लघुकथा के कहानी के साथ तुलना करती लघुकथा और 'प्रवचन' जाति- पांति के भेदभाव को लेकर दोहरे चरित्र को उजागर करती लघुकथाओं का प्रभावी वाचन किया । इन लघुकथाओं पर अनिल जैन, डॉ. नितिन उपाध्यये, घनश्याम मैथिल अमृत सहित अन्य साहित्यकारों ने अपनी संक्षिप्त किन्तु महत्वपूर्ण टिप्पणी की कार्यक्रम के अंत में अंजना गर्ग ने उपस्थित जनों का आभार प्रकट किया, आयोजन में अनेक लघुकथा प्रेमी पाठक लेखक उपस्थित थे।

ऐशबाग के विवादित ओवरब्रिज के 90 डिग्री हिस्से की डिजाइन में होगा सुधार

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी के ऐशबाग स्थित विवादित ओवरब्रिज को लेकर 10 महीने से चली आ रही खींचतान खत्म हो गई है। पीडब्ल्यूडी अब इसके 90 डिग्री वाले मोड के हिस्से का फिर से डिजाइन कर निर्माण करेगी। विभाग की हाल ही में हुई उच्च स्तरीय बैठक में मंत्री राकेश सिंह ने इसके लिए मंजूरी दे दी है। मंत्री ने कहा कि जल्द ही इसकी डिजाइन में सुधार कर इसे आम जनता के लिए शुरू किया।

बता दें कि 10 माह पहले इस 90 डिग्री मोड की खबर सोशल मीडिया में वायरल हुई थी। इससे ब्रिज बनाने वाले विभाग के इंजीनियर की लोगों ने काफी आलोचना की। देशभर की मीडिया में इस अजूबे ब्रिज की खबर के बाद सीएम डॉ यादव और विभाग के मंत्री राकेश सिंह ने करीबन 7 अधिकारियों को निलंबित कर दिया था। उसके बाद इस ब्रिज को सीधे करने के लिए पीडब्ल्यूडी ने काफी मंथन किया।

बताया जाता है कि करीबन 15 बार अधिकारी इस हिस्से में जाकर निरीक्षण कर चुके थे। अंत में हाल ही बैठक में इस ब्रिज को रि-डिजाइन करने का फैसला लिया गया। बैठक में इस बात पर सहमति बनी कि ब्रिज के मोड़ को तकनीकी रूप से सुरक्षित बनाने के लिए रि-डिजाइन किया जाएगा, ताकि दुर्घटनाओं की आशंका को कम किया जा सके। इंजीनियरों के अनुसार ब्रिज की जांच के दौरान ये बात भी सामने आई कि जिस दिशा से मेट्रो लाइन गुजर रही है, वहां से मोड़ का रेडियस बढ़ाना आसान नहीं था। इसी वजह से डिजाइन में बदलाव करने में देरी हुई। रेलवे और पीडब्ल्यूडी के बीच कई दौर की बैठकें चलीं। लंबी प्रक्रिया और तकनीकी अड़चनों के बाद अब सभी बाधाएं दूर हो सकी हैं। आगामी चार से पांच दिनों में काम शुरू कर ब्रिज को जल्द ही लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। विभाग के अधिकारियों ने बताया कि ब्रिज के 90 डिग्री मोड़ को सुधारने के लिए वर्तमान मोड़ के रेडियस (अर्धव्यास) को मौजूदा दो मीटर से बढ़ाकर 2.5 मीटर तक किया जाएगा। इसके चलते ओवरब्रिज की चौड़ाई 8.5 मीटर से बढ़कर 10.5 से 11 मीटर तक हो जाएगी। इसके लिए रेलवे प्रशासन ने अतिक्ति जगह दी है।

स्कूली बच्चों ने भाऊ से सीखे आरती और संस्कारों के गुण

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों के लिए आरती के माध्यम से संस्कार निर्माण सत्र का आयोजन किया गया। संत सिद्धभाऊ बच्चों और पालकों के बीच पहुंचे। भाऊजी ने अपने संबोधन में इस बात पर विशेष बल दिया कि आरती केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं है, बल्कि यह बच्चों के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, अनुशासन और अटूट श्रद्धा का संचार करने का एक सशक्त माध्यम है।

उन्होंने अभिभावकों से मार्मिक अपील करते हुए कहा कि वे स्वयं भी नियमित रूप से आरती और प्रार्थना करें ताकि घर का वातावरण संस्कारमय बने और बच्चे बचपन से ही ईश्वर के प्रति कृतज्ञता का भाव विकसित कर सकें। इसी क्रम में संस्था के अध्यक्ष सिद्ध भाऊजी द्वारा सभी अभिभावकों को आरती की सामग्री भी भेंट स्वरूप प्रदान की गई, ताकि इस पावन पहल की शुरुआत घर-घर से हो सके। सत्र के दौरान स्कूल के प्राचार्य ए.एन. मणिकंडन और कोऑर्डिनेटर मिनी नायर ने भी बच्चों को जीवन मूल्यों की शिक्षा दी। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका नीतू यादव और उप-प्राचार्य दिव्या कृपलानी ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर संस्था के सचिव घनश्याम बूलचंदानी सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा।

मेट्रो एंकर

कबीर जन उत्सव समारोह का आयोजन

'ढाई आखर प्रेम' ही मानवता को जोड़ने का सबसे बड़ा सूत्र

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

दुनिया में बढ़ते तनाव और संघर्ष के बीच कबीर का 'ढाई आखर प्रेम' ही मानवता को जोड़ने का सबसे बड़ा सूत्र है। यह बात कवि-कथाकार और रवीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति संतोष चौबे ने कबीर जन उत्सव-2026 समारोह में कही। इस अवसर पर चौबे को 'राष्ट्रीय शबद निरंतर सम्मान-2026' से कबीर लोकगायक पद्मश्री प्रहलाद सिंह टिपाणिया, पद्मश्री कालूराम बामनिया और पद्मश्री भेरूसिंह चौहान ने सम्मानित किया। चौबे ने 'वर्तमान संदर्भ में कबीर की जरूरत' विषय पर अपने विचार रखते हुए कहा कि आज के दौर में कबीर के

प्रेम, करुणा और मानवीय मूल्यों की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है। उन्होंने कबीर को भारतीय आधुनिकता का प्रतीक बताते हुए कहा कि उनकी वाणी में प्रेम के साथ तार्किकता और संवेदनशीलता का अद्भुत समन्वय मिलता है। कबीर केवल भक्ति के कवि नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और वैचारिक क्रांति के प्रतीक भी हैं। उन्होंने आधुनिक तकनीक के संदर्भ में कहा कि गूगल और एआई ज्ञान दे सकते हैं, लेकिन भावनात्मक आधार नहीं दे सकते, जो गुरु प्रदान करता है। कार्यक्रम में पद्मश्री कलाकारों ने कबीर के पदों की भावपूर्ण प्रस्तुतियां दीं। शुरुआत में कवि कृष्णकांत निलोसे को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर समाजसेवी अनिल भंडारी, राजेंद्र गोयल और भागचंद पटेल सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

प्रेम प्रकाश आश्रम का उद्घाटन और शोभायात्रा का आयोजन कल

संतनगर. दोपहर मेट्रो।

बैरागढ़ स्थित नवनिर्मित श्री प्रेम प्रकाश आश्रम के उद्घाटन और स्वामी टेऊंराम महाराज की मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा समारोह 16 अप्रैल को शोभायात्रा का आयोजन किया जाएगा। जयपुर से आ रहे स्वामी भगत प्रकाश महाराज और उनकी संत मंडली का सुबह 10 बजे बैरागढ़ बस स्टैंड पर स्वागत होगा, जहां से आश्रम तक गाजे-बाजे के साथ शोभायात्रा निकाली जाएगी। इसके बाद भगवान लक्ष्मीनारायण एवं सद्गुरु टेऊंराम महाराज के विग्रहों की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। इस अवसर पर आश्रम का उद्घाटन, विशेष हवन, ध्वजावन्दन और सत्संग के साथ शाम को आरती और प्रवचन के विशेष सत्र आयोजित होंगे। सुबह 8 बजे से श्री प्रेम प्रकाश ग्रंथ और श्रीमद्भगवदगीता के पाठों का भोग लगाया जाएगा, जिसके बाद सत्संग और आरती का आयोजन होगा।

नारी शक्ति वंदन कायक्रम में बोले सीएम- हमारा प्रदेश नारी शक्ति के वंदन का उत्कृष्ट उदाहरण

हम देश को मातृसत्ता से जोड़ रहे हैं

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने चुनौतीपूर्ण कार्यों को पूरा करते हुए मध्यप्रदेश सहित देश को सशक्त बनाया है। उन्होंने असंभव को संभव कर दिखाया है। हम देश को मातृसत्ता से जोड़ रहे हैं। गुरुवार 16 अप्रैल 2026 महिला सशक्तिकरण की मंगलमय तारीख होगी। देश की विधानसभाओं और लोकसभा में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण का विषय आएगा तो वह समय देश में होली-दीवाली एक साथ मनाने जैसा होगा। शासन के सूत्र जब बहनों के हाथ में आते हैं तो संवेदनशीलता से परिपूर्ण कितने नवाचार किए जा सकते हैं, इसके कई उत्कृष्ट उदाहरण हमारे सामने हैं। मध्यप्रदेश रानी दुर्गावती की धरती है। राज्य सरकार ने लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती मनाई। उनकी शासन व्यवस्था में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के बलबूते पर काशी में बाबा विश्वनाथ का धाम बनाया। सभी तीर्थ स्थलों पर अन्न क्षेत्र और यात्रियों के रुकने की व्यवस्था कराई। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में महिलाओं के राजनैतिक सशक्तिकरण का नया युग आरंभ हो रहा है। सीएम नारी शक्ति वंदन कायक्रम-प्रबुद्ध जन सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। रविंद्र भवन के हंस ध्वनि सभागार में कायक्रम वंदे मातरम गान के साथ आरंभ हुआ। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नारी शक्ति वंदन पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित कायक्रम का दीप प्रवलित कर शुभारंभ किया। कायक्रम में बड़ी संख्या में महिला संगठनों, स्वयं सेवी संस्थाओं, नगरीय निकायों तथा पंचायत राज संस्थाओं की प्रतिनिधियों, महिला पत्रकार, छात्राएं शामिल हुईं।

मप्र में महिलाओं ने नेतृत्व क्षमता के कई उदाहरण किए प्रस्तुत

सीएम ने कहा कि मध्यप्रदेश नारी शक्ति के वंदन का उत्कृष्ट उदाहरण है। प्रदेश के नगरीय निकायों में बहनों को 50 प्रतिशत आरक्षण दिया जा रहा है। प्रदेश के आधे से अधिक स्थानीय निकायों की कमान बहनें संभाल रही हैं। लोकसभा में हमारी 6 बहनें सांसद और विधानसभा में 27 बहनें विधायक हैं। प्रदेश में 5 महिला मंत्री अपने विभागों की जिम्मेदारी बखूबी निभा रही हैं। मध्यप्रदेश में महिलाओं ने अदम्य साहस और नेतृत्व क्षमता के कई उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। ग्वालियर अंचल से राजमाता विजया राजे सिंधिया ने तत्कालीन सरकार को छोड़ा और प्रदेश में पहली संविद सरकार बनाई । विनम्रता की प्रतिमूर्ति राजमाता ने कभी कोई पद नहीं लिया और जनता के लिए कार्य करती रहीं। इंदौर की बहन श्रीमती सुमित्रा महाजन लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष रहीं। पूर्व विदेश मंत्री स्व. सुषमा स्वराज ने भी लोकसभा में प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। आज देश का राष्ट्रपति का पद श्रीमती द्रोपदी मुर्मु संभाल रही हैं।

प्रदेश के कर्मचारियों के लिए बड़ी सौगात

छठवें वेतनमान वालों के डीए में 5 फीसदी का उछाल, अब मिलेगा 257% महंगाई भत्ता

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश सरकार ने प्रदेश के उन कर्मचारियों को एक बड़ी सौगात दी है जो वर्तमान में छठवां वेतनमान प्राप्त कर रहे हैं। लंबे समय से महंगाई भत्ते में वृद्धि का इंतजार कर रहे इन कर्मचारियों के लिए वित्त विभाग ने बुधवार को आधिकारिक आदेश जारी कर दिए हैं। इस फैसले के तहत महंगाई भत्ते में 5 प्रतिशत की वृद्धि की गई है।

वेतन में कितना होगा बदलाव?

इस वृद्धि के बाद, अब इन कर्मचारियों को मिलने वाला महंगाई भत्ता 252फीसदी से बढ़कर 257 फीसदी हो गया है। इस आदेश का सीधा लाभ कर्मचारियों को उनके अप्रैल माह के वेतन से मिलना शुरू होगा, जिसका भुगतान मई 2026 में किया जाएगा। इससे कर्मचारियों की क होम सैलरी में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी, जो बढ़ती महंगाई के बीच उनके लिए बड़ी राहत का काम करेगी।

वृद्धि 1 जुलाई 2025 से प्रभावी

सरकार ने केवल वर्तमान वेतन ही नहीं बढ़ाया, बल्कि पिछले बकाया यानी एरियर के भुगतान की प्रक्रिया भी स्पष्ट कर दी है। चूंकि यह वृद्धि 1 जुलाई 2025 से प्रभावी मानी गई है, इसलिए 1 जुलाई 2025 से 31 मार्च 2026 तक की कुल 9 महीनों की एरियर राशि का भुगतान भी कर्मचारियों को किया जाएगा। यह भुगतान एकमुश्त न होकर 6 समान किस्तों में होगा। एरियर की किस्तें मई, जून, जुलाई, अगस्त, सितंबर और अक्टूबर 2026 में वेतन के साथ खाते में जमा की जाएंगी।

इंदौर में अनोखी पहल: खेतों में लग रही 'कृषि पाठशाला'

इंदोर। जहां आमतौर पर पाठशाला का मतलब स्कूल, छात्र और शिक्षक से होता है, वहीं प्रदेश के इंदौर जिले में एक अनोखी पहल देखने को मिल रही है। यहां ÷कृषि सखियों की पाठशाला÷ में न तो पारंपरिक शिक्षक हैं और न ही छात्र–बल्कि किसान दीदियां ही शिक्षक बनकर किसानों को खेती के नए तरीके सिखा रही हैं। इंदौर जिले के महू जनपद में संचालित इस अनूठी पहल के तहत स्व-सहायता समूह की महिलाएं किसानों को प्राकृतिक खेती, किचन गार्डन और आधुनिक कृषि तकनीकों का प्रशिक्षण दे रही हैं। कृषि सखी एवं संध्या सेल्फ हेल्प ग्रुप की अध्यक्ष पवित्रा निनामा ने बताया कि उन्होंने पांच गांवों में 100 से अधिक किसान परिवारों को किचन गार्डन विकसित करने के लिए प्रेरित किया है। इससे न केवल प्राकृतिक खेती को बढ़ावा मिला है, बल्कि किसानों को आर्थिक बचत के साथ बेहतर स्वास्थ्य का लाभ भी मिल रहा है। किसान अब अपने घरों में उगाई गई सब्जियों का उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने किसानों को जीवामृत, बीजामृत और अन्य जैविक घोल तैयार करना भी सिखाया है, साथ ही 125 से अधिक खेतों की मिट्टी जांच (सॉइल टेस्टिंग) कराई है।

अविरल निर्मल नर्मदा के लिए प्रदेश की निर्णायक पहल

भोपाल । सामान्य प्रशासन विभाग ने माँ नर्मदा के अविरल एवं निर्मल प्रवाह को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से समाज, संगठन, स्वयंसेवी संस्थाओं एवं राज्य शासन के संबंधित विभागों द्वारा संपादित किये जा रहे कार्यों की समग्रता समन्वय एवं अनुश्रवण की दृष्टि से राज्य, जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय समिति का गठन किया है।

राज्य स्तरीय समिति में म.प्र. जन अभियान परिषद् के उपाध्यक्ष समिति के अध्यक्ष एवं कार्यपालक निदेशक सदस्य सचिव होंगे। जिला स्तरीय समिति में जिला कलेक्टर समिति के अध्यक्ष एवं म.प्र. जन अभियान परिषद् के जिला समन्वयक सदस्य सचिव होंगे। विकासखण्ड स्तरीय समिति में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अध्यक्ष एवं विकासखण्ड समन्वयक म.प्र. जन अभियान परिषद् सदस्य सचिव होंगे।

समिति में नर्मदा नदी पर कार्यरत नदी संरक्षण, पर्यावरण, जैवविविधता के विषय-विशेषज्ञ सदस्य होंगे। समितियों में शासन के विभाग यथा नगरीय विकास एवं आवास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, किसान कल्याण एवं कृषि विकास, वन, राजस्व, संस्कृति, पर्यटन, धर्मस्व, विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी, खनिज संसाधन एवं जल संसाधन विभाग तथा नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के विभागीय प्रतिनिधि सदस्य होंगे।

होर्मुज से वैश्विक टकराव

भारत शांत और जमीन से जुड़े देश में बैठकर भले ही होर्मुज जलडमरूमध्य की हलचल दूर की बात लगे, लेकिन सच यह है कि वहां उठने वाली हर लहर यहां तक असर डाल सकती है। अब यह मानना गलत होगा कि यह इलाका केवल ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच खिंचाव का केंद्र है। हालात तेजी से बदल रहे हैं और इस बदलती तस्वीर में चीन की भूमिका लगातार गहरी होती जा रही है। यह जलमार्ग दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति की धुरी है। यहां से गुजरने वाले तेल पर कई देशों की अर्थव्यवस्था टिकी हुई है। चीन, जो आज वैश्विक व्यापार का बड़ा खिलाड़ी है, इस रास्ते पर काफी हद तक निर्भर है। ऐसे में अगर किसी दिन यहां किसी चीनी टैंकर को रोका जाता है, तो यह केवल समुद्री कार्रवाई नहीं मानी जाएगी, बल्कि इसे सीधी चुनौती के रूप में देखा जाएगा। मामला यहीं से गंभीर हो जाता है। यह टकराव बंदूक और मिसाइल तक सीमित नहीं रहेगा। चीन की असली ताकत उसकी आर्थिक पकड़ है- दुनिया के बाजारों में उसकी गहरी मौजूदगी, सप्लाई चेन पर उसका नियंत्रण और व्यापारिक रिश्तों का जाल। वह जवाब देने के लिए युद्ध का रास्ता चुने, यह जरूरी नहीं; वह बाजारों के जरिए भी दबाव बना सकता है, जिसका असर कई देशों पर एक साथ पड़ेगा। अमेरिका भी इस जटिलता को समझता है। वह जानता है कि चीन को चुनौती देना आसान नहीं है और इसका असर सीमाओं से बाहर जाएगा। इसलिए होर्मुज में उठाया गया कोई भी कदम अब केवल सुरक्षा या रणनीति का हिस्सा नहीं, बल्कि एक बड़ी परीक्षा बन सकता है। अगर यह तनाव बढ़ता है, तो इसका असर हमारे जैसे राज्यों तक भी पहुंचेगा। तेल की कीमतों में बढ़ोतरी होगी, परिवहन महंगा होगा, और इसका सीधा असर रोजमर्रा की चीजों पर दिखेगा। पेट्रोल-डीजल से लेकर रसोई गैस तक सब महंगा होगा। व्यापार धीमा पड़ेगा और आम आदमी की जेब पर बोझ बढ़ेगा। सबसे चिंता की बात यह है कि ऐसे हालात किसी बड़े ऐलान से नहीं, बल्कि छोटी घटनाओं से बिगड़ते हैं। एक जहाज को रोकना, एक सख्त संदेश या एक गलत आकलन- इतना ही काफी होता है हालात को बेकाबू करने के लिए। इतिहास में कई बार ऐसा हो चुका है। इसलिए अब होर्मुज को केवल खाड़ी का मुद्दा समझना भूल होगी। यह जगह अब बड़ी ताकतों के बीच ताकत आजमाने का मैदान बनती जा रही है। अगर यहां संतुलन बिगड़ा, तो असर सिर्फ समुद्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि मध्य प्रदेश के गांवों और शहरों तक महसूस किया जाएगा।

विद्यालय में नए सत्र का स्वागत, नई सोच के साथ नवीन उम्मीदों का नया अध्याय

ऋचा सिंह
स्तंभकार

हर अप्रैल में स्कूल के गेट पर नया सत्र दस्तक देता है। बस्ते बदलते हैं, किताबें बदलती हैं, यूनिफॉर्म की क्रीज़ नई होती है और बच्चों की कक्षाएं भी नई हो जाती हैं। पर क्या हमारी सोच भी बदलती है कि इस सत्र में हम बच्चों को पहले से उपयोगी और बेहतर क्या दे रहे हैं? सत्र का बदलना सिर्फ कैलेंडर का पन्ना पलटना नहीं है बल्कि यही सही समय है तैयारी का। अप्रैल की सुबह स्कूल की घंटी सिर्फ बच्चों को नहीं जागाती बल्कि पूरे समाज को एक नई शुरुआत का एहसास दिलाता है। अप्रैल का नया सत्र बस कॉपी-किताब बदलने का सीजन नहीं है, यह उस बदलाव की आहट है जिसे 3 वर्ष पूर्व राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में लिखा गया था जो अब स्कूल की चौखट चढ़ रहा है। तो क्या हमने कोई ऐसी योजना बना ली है कि नए शैक्षिक सत्र में हम बच्चों को कितनी तैयारी के साथ उन्नतशील शिक्षा और कौशल देने जा रहे हैं।

शिक्षकों के लिए 'नया' क्या होना चाहिए?: नई शिक्षा नीति कहती है कि टीचर 'सेज ऑन द स्टेज' से 'गाइड बाय द साइड' बनें। यह लाइन भाषण से निकल कर आपकी डेली डायरी में आनी चाहिए। पढ़ाने का तरीका लेक्चर से लर्निंग एक्सपीरियंस तक होना चाहिए। चॉक एंड टॉक छोड़ें, एक्टिविटी पकड़ें, कक्षा 3 को 'फोटोसिंथेसिस' पढ़ाना है? बोर्ड पर डायग्राम बनाने से पहले बच्चों से पूछें, 'घर में तुलसी का पौधा धूप में क्यों रखते हैं? 'जवाब से कॉन्सेप्ट तक ले जाएं। NEP का मूल है 'अनुभव से अवधारणा'। 'बैग-लेस डे' को गंभीरता से लें साल में 10 दिन तय हैं। इसे पिकनिक और पढ़ाई से छुट्टी न समझे बल्कि सीखने का अवसर देकर संवाद करें। अगर कक्षा 6 के बच्चों को एक्सपोजर हेतु कुम्हार, ईट भट्टे या किसी छोटी फर्म के पास ले जा रहे हैं तो पहले से वर्कशीट दें। मिट्टी के प्रकार, लागत, आकार का गणित समझने की दृष्टि विकसित करें। लौटकर प्रेजेंटेशन कराएं।

हुनर के साथ अकादमिक जुड़ाव ही NEP है। हर बच्चे का 'लर्निंग मैप' बनाएं। होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड HPC की अनिवार्यता और बच्चों के समग्र विकास में इसके महत्व को समझे । सिर्फ नंबर न भरें, लिखें कि बच्चे समूह और कक्षा में कैसे रहते हैं। यह मैप पैरेंट्स को दें जिससे टीचर की कलम अब सिर्फ लाल निशान नहीं, रास्ता दिखाने वाली टॉर्च बने।

मूल्यांकन डराने का नहीं, दिशा देने का औज़ार बने ।'गलती' शब्द को डिक्शनरी से निकालें। बच्चे को कहें, 'यह पहला प्रयास है, दूसरा बेहतर होगा।' फॉर्मेटिव असेसमेंट हर 3 महीने पर, प्रोजेक्ट, रोल-प्ले, पियर रिव्यू से नंबर दें। जो बच्चा बोलने में तेज़ है पर लिखने में कमज़ोर, उसे मौखिक प्रेजेंटेशन से अंक मिलें। DIKSHA और AI साथी का इस्तेमाल सिखाएं। होमवर्क दें कि 'आज का चैप्टर पढ़कर DIKSHA पर क्विज़ दो और अपने से छोटे बच्चों के साथ डिसकस करो। जो बच्चा क्लास में चुप है, वह AI से 10 सवाल पूछ लेगा। टेक्नोलॉजी बस आपके मनोरंजन का साधन नहीं,असिस्टेंट टीचर और साथी भी है ऐसी समझ विकसित करें।

खुद को भी अपग्रेड करते रहें: 50 घंटे की निष्ठा ट्रेनिंग बहुत उपयोगी है इसमें साइबर सेफ्टी, जेंडर सेंसिटिविटी, क्लासरूम मैनेजमेंट, सभी है। ज़ब हम स्वयं को अपडेट करते रहेंगे, सीखना जारी रखेंगे तभी हम बच्चों को भी सिखा सकेंगे। हर महीने एक नई टीचिंग स्ट्रेटेजी ट्राई करें और साथी शिक्षकों से भी शेयर करें, कभी स्टाफ रूम में और कभी बैठकों में।

अभिभावकों के लिए 'नया' क्या होना चाहिए?: स्कूल 6 घंटे संभालता है, घर 18 घंटे। NEP तभी सफल होगी जब घर का कल्चर भी बच्चों के संदर्भ में बदलेगा। आज बदलते समय में अभिभावकों और परिवारों की भूमिका में बदलाव आया है। ऐसे में रिज़ल्ट की जगह रूटीन पर फोकस करें 'कितने नंबर' पूछना बंद करें पूछें, 'आज स्कूल में कौन-सी एक चीज़ ऐसी सीखी जो कल नहीं पता थी?' और 'किस दोस्त की मदद की?' NEP नंबर से वैल्यू की ओर लेजाने व मानवीय मूल्यों की समझ बच्चों में विकसित कर नैतिक रूप से भी शक्षम बनाने की सिफारिश करती है। आप भी विचारों को शिफ्ट करें जीवन में सफलता के साथ सार्थकता और मानवीयता को भी महत्व दें। PTM को 'कोर्ट' न बनाएं। टीचर के पास शिकायत लेकर न जाएं, सुझाव लेकर जाएं। HPC में अगर लिखा है 'बच्चा जिज्ञासु है पर ध्यान भटकता है', तो घर पर 20 मिनट का 'फोकस टाइम' सेट करें। स्कूल-होम पार्टनरशिप का मतलब यही है।

हुनर को इज़्ज़त दें, जब स्कूल 'बैग-लेस डे' पर बच्चे को इलेक्ट्रिशियन के पास ले जाए, तो ये न कहें कि 'हमारा बच्चा यह नहीं बनेगा।'। NEP का विज़न है कि हर बच्चा हुनर और कौशलमंद भी जाने। इंजीनियर को भी प्लग ठीक करना आना चाहिए। डिजिटल बैलेंस बनाएं। स्क्रीन टाइम बांटें, बैन न करें। 1 घंटा DIKSHA/YouTube एजुकेशनल, 30 मिनट गेम। 'यूट्यूब किड्स' और 'गूगल फैमिली लिंक' से टाइमर लगाएं। आप खुद रील स्क्रॉल करते रहेंगे तो बच्चा क्यों मानेगा? ऐसे में स्वयं के लिए भी नियम और अनुशासन बनायें। तुलना का ज़हर घर से निकालें- 'उनके बेटी-बेटा को देखो' - यह लाइन नए सत्र में बैन। NEP कहती है हर बच्चा यूनिक है। एक कोडिंग करेगा, दूसरा खेती में विज्ञान का सहयोग लेकर उन्नत कृषि करेगा, ड्रोन चलाएगा। आपका काम बच्चे की तुलना करना नहीं, टैलेंट पहचानना है।

हम मिलकर यह त्रिकोण पूरा करें, तभी चित्र पूरा होगा। शिक्षा एक त्रिकोण है जिसमें बच्चा, शिक्षक, अभिभावक तीनों आते हैं। 2026-27 का सत्र हमें मौका देता है कि इस त्रिकोण की तीनों भुजाएं मजबूत करें जिसके केंद्र में बच्चे का होलेस्टिक डवलपमेंट है। शिक्षक अगर क्लासरूम को प्रयोगशाला बना दें। अभिभावक अगर घर को पहला स्कूल मान लें और बच्चा अगर सवाल पूछने से डरना छोड़ दे। यकीन मानिए, 10 साल बाद हमें 'स्किल गैप' और 'बेरोज़गारी' जैसे शब्दों का समाधान नहीं ढूंढना पड़ेगा।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

रील, व्लॉग और बकवास : हाशिये पर गंभीरता, संवेदनशीलता और ज्ञान

डॉ. प्रियंका सौरभ
स्तंभकार

आज के समय में अगर कोई सबसे तेजी से फैलने वाली चीज है तो वह है– 'बकवास'। फर्क बस इतना है कि अब यह बकवास चाय की दुकानों या चौपालों तक सीमित नहीं रही, बल्कि स्मार्टफोन की स्क्रीन पर सजकर 'रील' और 'व्लॉग' के नाम से पूरे समाज में ब्रॉडकास्ट हो रही है। एक समय था जब युवा अपने सपनों के लिए जागते थे। आज वे नोटिफिकेशन के लिए जागते हैं। पहले लक्ष्य तय होते थे, अब ट्रेंड तय होते हैं। पहले मेहनत पर ताली बजती थी, अब बकवास पर लाइक और शेयर मिलते हैं। यही वह बदलाव है, जिसने युवा पीढ़ी को धीरे-धीरे एक ऐसी दिशा में धकेल दिया है, जहां शोर तो बहुत है, लेकिन सार बिल्कुल नहीं। रील और व्लॉग जो मूल रूप से रचनात्मकता और अभिव्यक्ति के माध्यम हो सकते थे, आज एक ऐसी दौड़ का हिस्सा बन चुके हैं, जहां गुणवत्ता नहीं, बल्कि 'वायरल' होना सबसे बड़ा लक्ष्य है। इस दौड़ में कंटेंट नहीं, कंटेंट का शोर मायने रखता है। जितना ज्यादा विचित्र, जितना ज्यादा सनसनीखेज, उतनी ही ज्यादा लोकप्रियता। ऐसे में गंभीरता, संवेदनशीलता और ज्ञान जैसे शब्द धीरे-धीरे हाशिये पर चले जाते हैं। युवा पीढ़ी का एक बड़ा हिस्सा आज 'कंटेंट क्रिएटर' बनने की होड़ में है, लेकिन यह कोई नहीं सोच रहा कि वे क्या बना रहे हैं और क्यों बना रहे हैं। कैमरा ऑन होते ही अभिनय शुरू हो जाता है और कैमरा ऑफ होते ही वास्तविकता का खालीपन सामने आ जाता है। यह एक ऐसी दुनिया है, जहां दिखावा ही असली पहचान बन चुका है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि इस बकवास को अब सामान्य और स्वीकार्य मान लिया गया है। जो जितना अधिक समय स्क्रीन पर बिताता है, उसे उतना ही 'अपडेटेड' माना जाता है। जबकि सच्चाई यह है कि यह अपडेट नहीं, बल्कि एक प्रकार की मानसिक थकान और दिशाहीनता है।

आज का युवा घंटों यह सोचने में लगा रहता है कि अगली रील में क्या दिखाना है, लेकिन यह सोचने का समय नहीं निकालता कि जीवन में क्या करना है। यह विडंबना ही है कि जिस पीढ़ी के पास सबसे अधिक संसाधन हैं, वही सबसे अधिक भ्रमित और बिखरी हुई दिखाई देती है। यह समस्या केवल समय की बरबादी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सोचने की क्षमता को भी प्रभावित कर रही है। लगातार छोटे-छोटे वीडियो देखने की आदत ने ध्यान केंद्रित करने की क्षमता को कमजोर कर दिया है। गहराई से सोचने, पढ़ने और समझने की प्रवृत्ति कम होती जा रही है।

व्लॉग और रील्स के इस दौर में एक और खतरनाक प्रवृत्ति उभरकर सामने आई है–दूसरों की नकल। मौलिकता की जगह कॉपी-पेस्ट ने ले ली है। कोई ट्रेंड चल पड़ा, तो हर कोई उसी को दोहराने लगता है। इस प्रक्रिया में न तो कुछ नया पैदा होता है और न ही कोई सार्थक संदेश जाता है। बस एक जैसी बकवास का अंबार लग जाता है। समाज पर इसका प्रभाव भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। संवाद की जगह प्रदर्शन ने ले ली है। लोग अब जीने से ज्यादा दिखाने में विश्वास करने लगे हैं। हर छोटी-बड़ी घटना को कैमरे में कैद करना जरूरी हो गया है. चाहे वह निजी हो या संवेदनशील। यह प्रवृत्ति न केवल निजता को खत्म कर रही है, बल्कि संवेदनाओं को भी कमजोर बना रही है। यह कहना गलत नहीं होगा कि हम एक ऐसे दौर में प्रवेश कर चुके हैं, जहां 'बकवास' एक उद्योग बन चुका है। इसमें समय भी लग रहा है, पैसा भी लग रहा है और सबसे बड़ी बात युवा पीढ़ी की ऊर्जा भी लग रही है। लेकिन इसके बदले में क्या मिल रहा है? कुछ लाइक्स, कुछ फॉलोअर्स और एक झूठी संतुष्टि, जो कुछ ही पलों में खत्म हो जाती है। इस स्थिति से बाहर निकलने के लिए सबसे पहले हमें यह स्वीकार करना होगा कि समस्या है। जब तक हम इसे केवल मनोरंजन कहकर नजरअंदाज करते रहेंगे, तब तक इसका समाधान संभव नहीं है।

युवा पीढ़ी को यह समझना होगा कि हर ट्रेंड का हिस्सा बनना जरूरी नहीं है। हर रील बनाना जरूरी नहीं है। और सबसे महत्वपूर्ण–हर बकवास को देखना और शेयर करना जरूरी नहीं है। जरूरत है एक संतुलन की। तकनीक का उपयोग करें, लेकिन उसके गुलाम न बनें। रील बनाएं, लेकिन उसमें सार हो। व्लॉग करें, लेकिन उसमें सच्चाई हो। अगर हम इस माध्यम को सही दिशा में उपयोग करें, तो यह एक शक्तिशाली साधन बन सकता है। लेकिन अगर इसे यूं ही बकवास का माध्यम बनने दिया गया तो यह पीढ़ी को केवल शोर और खालीपन ही देगा।

अंत में, यह याद रखना जरूरी है कि भविष्य लाइक्स और व्यूज से नहीं बनता, बल्कि मेहनत, अनुशासन और सही दिशा से बनता है। अगर युवा पीढ़ी ने समय रहते इस अंतर को नहीं समझा, तो रील, व्लॉग और बकवास केवल एक प्रवृत्ति नहीं, बल्कि एक गंभीर सामाजिक संकट बन जाएगा। आज सवाल यह नहीं है कि कौन सा वीडियो वायरल हो रहा है, बल्कि यह है कि कौन सा विचार जीवित रह रहा है, क्योंकि यही विचार समाज को दिशा देते हैं।

-यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

गर्मी में ज्यादा होती है नस चढ़ने और क्रैम्प की शिकायत, कुछ उपायों से मिलेगी राहत

जैसे-जैसे तापमान बढ़ने लगता है, डॉक्टरों के पास क्रैम्प की शिकायत लेकर आने वाले मरीजों की संख्या भी बढ़ती जाती है। इन मरीजों में अक्सर महिलाएं ज्यादा होती हैं। क्रैम्प के कारण हाथ, पैर, पेट में ऐंठन या नस पे नस चढ़ने की शिकायत होती है। मसल्स क्रैम्प को आम बोलचाल की भाषा में नस पे नस चढ़ना बोला जाता है। गर्मी के दौरान गर्म तापमान और उमस के कारण क्रैम्प का खतरा बढ़ जाता है। इससे बचने के लिए डिहाइड्रेशन की संभावना कम करनी चाहिए।

मसल्स की अचानक और खुद होने वाली संकुचन-अकड़न को क्रैम्प कहते हैं। इसका एहसास हल्के से लेकर ज्यादा गंभीर तक हो सकता है। महिलाओं में एब्डोमिनल क्रैम्प के ज्यादा मामले देखे जाते हैं, जो कि मेंस्ट्रुएशन से जुड़े होते हैं। इस स्थिति को मेडिकल भाषा में डिसमेनोरिया कहा जाता है। लेकिन मेंस्ट्रुअल साइकिल के अलावा भी गर्मी में क्रैम्प के पीछे कई कारण हो सकते हैं।

डिहाइड्रेशन: गर्मी में होने वाले क्रैम्प का सबसे आम कारण डिहाइड्रेशन है। ज्यादा तापमान की वजह से ज्यादा पसीना आता है और शरीर से फ्लूइड तेजी से कम होने लगता है। डिहाइड्रेट होने पर मसल्स में ऐंठन और अकड़न आने का खतरा रहता है। पसीने में पानी के साथ सोडियम, पोटैशियम, कैल्शियम और मैग्नीशियम जैसे इलेक्ट्रोलाइट्स भी निकल जाते हैं। ये सारे मिनरल्स मसल्स के फंक्शन में महत्वपूर्ण रोल निभाते हैं और इनका असंतुलन क्रैम्प का सीधा कारण बन सकता है।

ज्यादा फिजिकल एक्टिविटी: गर्मी में फिजिकल एक्टिविटी बढ़ने से भी क्रैम्प हो सकते हैं। जो लोग गर्मी के दौरान आउटडोर एक्सरसाइज, ट्रैवल या रिक्रिएशनल एक्टिविटीज ज्यादा करते हैं, उनकी मसल्स में स्ट्रेन आने से थकान हो सकती है। इसके साथ हाइड्रेशन का ध्यान ना रखने से क्रैम्प की संभावना बढ़ जाती है। महिलाओं में मेंस्ट्रुअल साइकिल के दौरान हॉर्मोन के अंदर आने वाले उतार-चढ़ाव से क्रैम्प इंटेंस हो जाते हैं और डिहाइड्रेशन की वजह से इसकी गंभीरता बढ़ जाती है।

क्रैम्प से बचने के लिए क्या करें?: क्रैम्प को घर पर आसानी से मैनेज किया जा सकता है। सबसे पहले आपको बॉडी को हाइड्रेट रखना चाहिए। दिनभर के दौरान पर्याप्त पानी पीने के साथ शरीर में फ्लूइड बैलेंस रहता है और नारियल पानी या ओआरएस (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन) पीकर इलेक्ट्रोलाइट्स को पूरा कर सकते हैं। बैलेंस्ड डाइट लेना भी जरूरी है, इसके लिए पोटैशियम, कैल्शियम, मैग्नीशियम से भरपूर केला, डेयरी प्रोडक्ट्स, नट्स और हरी पत्तेदार सब्जियां खाएं।क्रैम्प वाली जगह पर गर्म सिकाई करने से मसल्स और दर्द में तुरंत आराम मिलता है, इसके लिए आप हीटिंग पैड या गर्म पानी की बोतल का इस्तेमाल कर सकते हैं। खासकर पेट के क्रैम्प में यह उपाय असरदार साबित होता है। मसल्स क्रैम्प को दूर करने के लिए हल्की स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज या योगा जैसी हल्की फिजिकल एक्टिविटी से फायदा मिलता है।

निशाना

कर दे यह अहसान जरा सा..!

बसंत शर्मा

कर दे यह अहसान ज़रा सा।
प्रेम का कर दे दान ज़रा सा।
प्यार हुआ ये पता न उसको,
मैं भी था अनजान ज़रा सा।
तुझसे मिलने आऊँगा मैं,
थम जाए तूफ़ान ज़रा सा।
कैसी चालें चलते हो तुम,
हमको भी है ज्ञान ज़रा सा।
अस्तीनों में साँप पल गए,
हुआ न हमको भान ज़रा सा।
करता कितनी रोका-टोकी,
है तो वो दरबान ज़रा सा।
बुधिया कैसे कर्ज चुकाए,
हुआ खेत में धान ज़रा सा।
आँख दिखाता है भारत को,
पिद्दी पाकिस्तान ज़रा सा।
अपनों को तो खूब रेवड़ी,
हमको है अनुदान ज़रा सा।
चुकता कर देता वो शायद,
होता अगर लगान ज़रा सा।
बहक न पाया सँभल गया वो,
पकड़ा जिसका कान ज़रा सा।
लाइन लगी हुई मंचों पर,
पाने को सम्मान ज़रा सा।

यूज़र सेफ्टी

इंजीनियरिंग स्टूडेंट ने बनाया कमाल का QR कोड, पुलिस तक पहुंचेगी सवारी की लोकेशन

इंजीनियरिंग स्टूडेंट ने कमाल का QR कोड बनाया है। इसे स्कैन कर लोग अपनी लोकेशन सीधा पुलिस तक पहुंचा सकते हैं। यह QR कोड खासकर महिला यात्रियों के काफी काम आ सकता है, जो अक्सर ऑटो-टैक्सी में यात्रा करते हुए असुरक्षित महसूस करती हैं। इस कोड के जरिए एक आम यात्रा को पुलिस निगरानी में होने वाली यात्रा में बदला जा सकता है।

आंध्र प्रदेश के स्टूडेंट जी श्रीनिवास रेड्डी ने एक अनोखा QR कोड बनाया है, जो कि मुसीबत में जान बचा सकता है। मोहन बाबू यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट जी श्रीनिवास ने एक बड़ी समस्या का हल QR कोड की शक्ल में पेश किया है। अक्सर ऑटो या टैक्सी में सफर करते हुए लोग, खासकर महिलाएं, असुरक्षित महसूस करती हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए ऐसा QR कोड बनाया है, जो एक स्कैन पर आपकी लोकेशन को सीधा पुलिस के पास पहुंचा सकता है। इसकी खास बात है कि पुलिस के साथ QR कोड को स्कैन करने वाले की लाइव लोकेशन शेयर होती है।

क्यों खास है श्रीनिवास का QR कोड?: आजकल की डिजिटल दुनिया में QR कोड का इस्तेमाल नया नहीं है, लेकिन इस QR कोड की खासियत है कि यह ऑटो-टैक्सी में सफर करने वालों को सुरक्षित रखता है। उनके QR कोड को ड्राइवर की सीट के पीछे लगाया जाता है। ऐसे में अगर यात्री उस कोड को स्कैन करें, तो उनकी लाइव लोकेशन तुरंत पुलिस कंट्रोल रूम और नजदीकी गश्ती इकाइयों के साथ शेयर हो जाती है। यह तकनीक खास तौर पर महिलाओं के लिए काफी काम की साबित हो सकती है।

क्या कहते हैं श्रीनिवास?: श्रीनिवास के अनुसार इस तकनीक को सफल बनाने में उन्हें पुलिस अधिकारियों, खासकर डीसीपी शेख शरीना बेगम की बहुत मदद मिली है। आईपीएस अधिकारी एस वी राजशेखर बाबू द्वारा इसे लॉन्च किया जाना इस बात का सबूत है कि कैसे पढ़ाई को असल दुनिया की समस्याओं को सुलझाने में इस्तेमाल किया जा सकता है।

आपके लिए किस तरह मददगार?: यह सिस्टम उन लोगों के लिए बहुत मददगार साबित हो सकता है लोकल ऑटो या टैक्सी के जरिए यात्रा करते हैं। इस QR कोड की मदद से ड्राइवर का व्यवहार संदिग्ध दिखने पर या किसी भी तरह का खतरा महसूस होने पर अपनी लोकेशन पुलिस तक पहुंचाई जा सकती है। इसके बाद पुलिस तुरंत वाहन को ट्रैक कर नजदीकी टीम भेज सकती है।

श्रीनिवास के QR कोड की खासियत है कि इसमें फीडबैक और रेटिंग की सुविधा भी मिलती है। ऐसे में खराब रेटिंग वाले ड्राइवरों पर पुलिस कड़ी नजर रख सकती है।

अजब - गजब

बेहद प्यार करने वाला पति, खुशहाल बच्चे लेकिन बेसमेंट में छिपे राज ने बदल दी जिंदगी

पति और पत्नी का रिश्ता प्यार और विश्वास पर टिका होता है। इस रिश्ते में प्यार दोनों को करीब लाता है और विश्वास उनकी आत्मा को। ऊपर से देखने पर डोनिएल शोवे और चाड शिपर का रिश्ता परफेक्ट लगता था। दोनों बाइबिल स्टडी ग्रुप में मिले, शादी की और लगभग 20 साल तक खुशहाल जीवन बिताया।

अपनी बीस साल की शादी में दोनों 6 बच्चों के पेरेंट्स बने। लेकिन इसके बाद एक ऐसी असलियत सामने आई, जिसने सब कुछ बदल दिया। डोनिएल अपने पति चाड को बहुत मानती थी और सपनों की दुनिया में जी रही थी। लेकिन उनका सपना ऐसा टूटा कि उनके होश ही उड़ गए। उन्हें बीस साल बाद अपने पति का वो सीक्रेट पता चला, जिसे उसने घर के बेसमेंट में छिपा रखा था।

बदल गई पूरी जिंदगी: दोनों की मैरिड लाइफ अच्छी चल रही थी लेकिन 2017 में एक दिन सब कुछ बदल गया। चाड शिपर को गिरफ्तार कर लिया गया। चाड पर आरोप था कि उसने एक बुजुर्ग जोड़े- लैरी और कॉन्स्टेंस वैन ओस्टेन को उनके घर से किडनैप किया था। चाड ने उन्हें ताजर, डक्ट टेप और हथकड़ियों से बांधकर अपने किराए के घर के बेसमेंट में बने साउंडप्रूफ 'सेफ रूम' में कैद कर लिया था। वहां 48 घंटे तक उन्हें गुलाम बनाकर रखा और 3.5 लाख डॉलर की फिरौती मांगी थी। चाड का बिजनेस डूब रहा था और वह पैसे की तंगी से जूझ रहा था। डोनिएल को जब यह सच पता चला तो उनका पूरा संसार उजड़ गया।

टीवी शो में हुआ खुलासा: डोनिएल ने Hulu की डॉक्यूमेंट्री सीरीज 'Betrayal: Secrets & Lies' के एपिसोड 'The Bible Study Kidnapper' में अपनी पूरी कहानी शेयर की है। एपिसोड 12 अप्रैल को ABC और Hulu पर रिलीज हुआ। चाड ने कबूल किया कि उसने जोड़े को अगवा किया था। पुलिस को जब पता चला तो चाड को गिरफ्तार कर लिया गया। कोर्ट में उसे 60 साल की सजा सुनाई गई, जो शायद उसकी बाकी जिंदगी जेल में बिताने जैसी है। डोनिएल बताती हैं कि चाड बाहर से बहुत धार्मिक, समझदार और परिवार का अच्छा पिता लगता था। लेकिन अंदर से वह पूरी तरह अलग था। बेसमेंट में बने कमरे को चाड ने 'सेफ रूम' बताकर बनवाया था, लेकिन असल में वह किडनैपिंग के लिए इस्तेमाल किया गया। ठेकेदार को भी नहीं पता था कि इसका इस्तेमाल इस तरह होगा। इस घटना के बाद डोनिएल और उनके 6 बच्चों की जिंदगी पूरी तरह बदल गई। डोनिएल अब अपनी कहानी शेयर करके दूसरों को जागरूक कर रही हैं कि रिश्तों में दिखावा कितना खतरनाक हो सकता है।

गेहूं उपार्जन के निरीक्षण में कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने दिखाई संवेदनशीलता

किसानों और हम्मालों से चर्चा कर समस्याओं का किया समाधान

ननर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

सिवनी मालवा विकासखंड के महावीर वेयरहाउस, सवाल खेड़ा गेहूं उपार्जन केंद्र का बुधवार को कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने निरीक्षण किया। उन्होंने उपार्जित स्कंध की जानकारी ली और केंद्र प्रभारियों को किसानों के माल की शीघ्र तुलाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।किसानों व हम्मालों से चर्चा कर उनकी परेशानियां सुनीं। छोटे किसानों की उपज को प्राथमिकता देने, पेयजल व्यवस्था, गर्मी में प्रातः जल्दी तुलाई शुरू करने, छांव की व्यवस्था तथा हम्मालों के लिए चाय-नाश्ते की सुविधा के निर्देश दिए। एफएक्यू गुणवत्ता वाले स्कंध ही उपार्जित करने और पंखा-छन्ना उपयोग पर जोर दिया। जिन किसानों का माल डंप हो चुका, उनकी खरीदी उसी दिन पूरी करने को कहा। हम्मालों ने त्वरित निर्णयों पर तालियां बजाकर अभिवादन किया।इसके बाद मंडी स्तरीय चना उपार्जन केंद्र डोलरिया का निरीक्षण किया। खराब स्कंध साफ कर बदलने, आधार सत्यापन की तकनीकी समस्याओं पर गांवों में शिविर लगाने तथा फिंगरप्रिंट के बजाय आईरिस सत्यापन की व्यवस्था के निर्देश दिए। ई-गवर्नेंस विभाग से समन्वय बनाने को कहा।निरीक्षण में जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, उपसंचालक कृषि रविकांत सिंह सहित अधिकारी मौजूद रहे।

कलेक्टर का अनोखा नवाचार कार्यालय सबके लिए खुला, नेमप्लेट पर मोबाइल नंबर लिखवाए....

नर्मदापुरम। जिले के नवागत कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने ज्वाइनिंग के बाद ही एक सराहनीय पहल शुरू की है। उन्होंने अपने कक्ष के बाहर लगी नेमप्लेट पर न केवल अपना नाम, बल्कि शासकीय और व्यक्तिग मोबाइल नंबर भी लिखवा दिए हैं। इससे आम लोग सीधे उनसे संपर्क कर अपनी समस्याएं बता सकेंगे। कलेक्टर मिश्रा का कहना है कि कार्यालय सभी के लिए खुला रहेगा और बाहर होने पर मोबाइल नंबर काम आएगा।यह प्रयोग वे पूर्व जिले में भी कर चुके थे, जहां लोगों ने इसे खूब सराहा। नर्मदापुरम में भी कलेक्टर के इस नवाचार की चारों ओर चर्चा हो रही है। समाज को सकारात्मक संदेश देने वाली यह पहल प्रशासनिक पारदर्शिता का बेहतरीन उदाहरण है।

नशे में धुत युवकों ने कार रोककर किया हमला, पुलिस की लेटलतीफी से बढ़ा आक्रोश

अमझेरा के अंबिका चौराहे पर बवाल

युवा व्यापारी पर पत्थर बरसाए 20 मिनट तक चली गुंडागर्दी

धार। अमझेरा नगर में कानून-व्यवस्था को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। बुधवार रात करीब साढे 9 बजे अंबिका चौराहे पर नशे में धुत युवकों ने एक युवा व्यापारी पर हमला कर दिया। चौराहे पर करीब 20 मिनट तक खुलेआम गुंडागर्दी चलती रही, लेकिन पुलिस समय पर मौके पर नहीं पहुंच सकी।

हमले में अंश पंकज शर्मा निवासी नृसिंह दरवाजा गंभीर रूप से घायल हो गए। उनके सिर पर पत्थर लगने से वे लहूलुहान हो गए। उन्हें सिर पर 7 टाके भी आए बीच बचाव करने आए संदीप शर्मा पर भी हमला किया,आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। जानकारी के अनुसार अंश शर्मा अंबिका चौराहा स्थित एक दुकान पर सीसीटीवी कैमरे लगाकर कार से घर लौट रहे थे। तभी बाइक एमपी 09 डीएमन 6495 से आए तीन युवक उनकी कार के सामने आकर खड़े हो गए और रास्ता रोक लिया। जब अंश ने

बाइक हटाने को कहा, तो युवकों ने गाली-गलौज शुरू कर दी। देखते ही देखते विवाद बढ़ा और आरोपी कार में घुसकर मारपीट करने लगे। हमलावरों ने अंश पर पत्थरों से हमला कर दिया। चौराहे पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव की कोशिश की, लेकिन आरोपियों ने उन्हें भी निशाना बनाते हुए पत्थर फेंके। इससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। करीब 20 मिनट तक चले इस उत्पात से आमजन में दहशत का माहौल बन गया।

थाने के पास वारदात

सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि घटना थाने के नजदीक हुई, इसके बावजूद पुलिस मौके पर समय पर नहीं पहुंच सकी। सूचना देने के बाद भी जब तक पुलिस पहुंचती, तब तक आरोपी बाइक छोड़कर फरार हो चुके थे। पुलिस ने देर रात मामला दर्ज कर बाइक जब्त कर ली, लेकिन गुरुवार सुबह तक किसी भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी।

लोगों में आक्रोश, सुरक्षा पर उठ रहे सवाल

घटना के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि चौराहे जैसे व्यस्त इलाके में इस तरह की वारदात और पुलिस की देरी से कार्रवाई से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठते हैं।

मामले में प्रकरण दर्ज कर लिया है। बाइक जब्त कर ली गई है। वीडियो फुटेज के आधार पर जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

राजू मकवाना, टीआई, अमझेरा

नर्मदापुरम में ई-विकास पोर्टल नियम तोड़े

10 लाइसेंस निलंबित, 22 को नोटिस

नर्मदापुरम। मध्य प्रदेश शासन के किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्रालय के सख्त निर्देशों के बावजूद ई-विकास पोर्टल से उर्वरक विक्रय न करने वाले व्यापारियों पर जिला प्रशासन ने सख्ती बरती है। जिले में अब तक 10 उर्वरक विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित हो चुके हैं, जबकि 22 को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं।उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास नर्मदापुरम ने बताया कि सभी उर्वरक विक्रेताओं को ई-विकास पोर्टल के माध्यम से ही बिक्री करने के निर्देश थे। 7 अप्रैल को 6 विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित कर 11 को नोटिस दिए गए।

15 अप्रैल को बिना ई-टोकन के विक्रय पाए जाने पर चार और लाइसेंस निलंबित किए गए

1.मेसर्स अतुल ट्रेडर्स, पिपरिया ,
2.मेसर्स माँ शारदा ट्रेडर्स, पिपरिया
3.मेसर्स कृपालदास राधामल, सोहागपुर
4.मेसर्स न्यू पवन एग्रो, शुक्करवाड़ा माखननगर।

विक्रेताओं को नोटिस जारी हुए

मेसर्स हरिहर ट्रेडर्स, बनखेड़ी, मेसर्स खण्डेलवाल कृषि सेवा केंद्र, सेमरीहरचंद, मेसर्स किसान कृषि सेवा केंद्र, सेमरीहरचंद, कृष्णा कृषि सेवा केंद्र, सोहागपुर, मेसर्स माँ शारदा कृषि सेवा केंद्र, सेमरीहरचंद, न्यू गाइड एग्रो, मिसरोद, मेसर्स प्रदीप कुमार वर्मा, माखननगर, मेसर्स तोमर एग्रो, नर्मदापुरम, मेसर्स ठाकुर ट्रेडर्स, सिवनीमालवा, मेसर्स विशाल कृषि सेवा केंद्र, सिवनीमालवा, मेसर्स राज कृषि केंद्र, बनखेड़ी जिले के सभी विकासखंडों में उर्वरक निरीक्षक लगातार जांच कर रहे हैं।

न्यूज विंडो

पुलिस को देख भागे शराब तस्कर, पेड़ से टकराया वाहन

नरसिंहपुर। नरसिंहपुर जिले की स्टेशनगंज पुलिस ने नवलगांव-सिंहपुर मार्ग पर घेराबंदी कर 34 पेटी अवैध देसी शराब और एक पिकअप वाहन जब्त किया है। पुलिस को देखकर भागने की कोशिश में तस्करों का वाहन अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गया। पुलिस ने मौके से एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि चार अन्य फरार हो गए।

बिलहरी गांव में गर्भवती महिला को जलते अंगारों में धकेला

कटनी। कटनी जिले के बिलहरी गांव में एक गर्भवती महिला को ससुराल वालों ने जलते अंगारों से दागकर पेट पर ईंट-पत्थरों से हमला कर दिया। पीड़िता ने स्थानीय पुलिस पर सुनवाई न करने का आरोप लगाते हुए एसपी कार्यालय में न्याय की गुहार लगाई है। वहीं पुलिस के अनुसार, मेडिकल जांच के बाद अब मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

मुआवजा वितरण में विसंगति के आरोप, सौंपा ज्ञापन

बालाघाट। बालाघाट जिले में निर्माणाधीन भटेरा रेलवे ओवरब्रिज के लिए किए गए भू-अर्जन के मुआवजे को लेकर विवाद गहरा गया है। प्रभावित रहवासियों और व्यापारियों ने प्रशासन पर मुआवजा वितरण में विसंगति और पारदर्शिता की कमी का आरोप लगाया है। बड़ी संख्या में इससे प्रभावित लोग एसडीएम कार्यालय पहुंचे और निष्पक्ष मुआवजे की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा है।

जनगणना-2027 के प्रथम चरण हेतु प्रगणकों और पर्यवेक्षकों को दिया जा रहा प्रशिक्षण

अनुपपुर। भारत की जनगणना-2027 के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य 1 मई 2026 से 30 मई 2026 तक किया जाना है। इस हेतु राष्ट्रीय जनगणना को सुचारु, त्रुटिरहित एवं तकनीक आधारित बनाने के उद्देश्य से जिले में प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम चार्जवार एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय अनूपपुर में संचालित किया जा रहा है। यह प्रशिक्षण 11 से 20 अप्रैल 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। तहसील पुष्पराजगढ़ एवं नगर परिषद अमरकंटक के प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण 11 से 13 अप्रैल तक आयोजित किया गया। नगरपालिका परिषद पसान, कोतमा, बिजुरी, नगर परिषद बनगवॉ (राजनगर), डूमरकछार तथा तहसील अनूपपुर, जैतहरी एवं कोतमा के प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण 15 से 17 अप्रैल तक आयोजित किया जा रहा है। नगरपालिका परिषद अनूपपुर, नगर परिषद बरगवां (अमलाई), डोला के प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों तथा नगरपालिका परिषद पसान, कोतमा, बिजुरी, तहसील अनूपपुर, जैतहरी, कोतमा के शेष प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण 18 से 20 अप्रैल तक आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर्स तथा फील्ड ट्रेनर्स द्वारा प्रगणकों को मोबाइल ऐप के माध्यम से डिजिटल डेटा संकलन का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

संभाग आयुक्त ने उज्जैन- जावरा ग्रीनफील्ड मार्ग निर्माण की समीक्षा की

उज्जैन। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा दिए गए निर्देश पर उज्जैन-जावरा ग्रीन फील्ड मार्ग बनाया जाना प्रस्तावित है इसके लिए आज संभाग आयुक्त श्री आशीष सिंह ने रतलाम कलेक्टर कार्यालय में पहुंचकर कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह और एमपी आरडीसी के अधिकारियों के साथ इस संबंध में समीक्षा बैठक की। बैठक में बताया गया कि उज्जैन जावरा ग्रीन फील्ड मार्ग में उज्जैन और रतलाम के जिले के गांव आ रहे हैं। इनमें भूमि अधिग्रहण किया जा रहा है। जावरा से लेकर महू नीमच मार्ग तक जोड़ने के लिए प्रस्तावित भूमि के लिए आज समीक्षा की गई । जिसमें संभाग आयुक्त ने निर्देश दिए कि कलेक्टर रतलाम इस संबंध में अवार्ड पारित करें और सभी राजस्व के अधिकारी किसानों से चर्चा कार्यवाही सुनिश्चित करें। संभाग आयुक्त ने बताया कि? मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 19 अप्रैल को इस मार्ग निर्माण के लिए उज्जैन से भूमि पूजन करेंगे । दोनों छोर से काम शुरू करने के लिए आवश्यक है कि भूमि अधिग्रहण के साथ अन्य कार्यवाही भी समय पर पूर्ण हो जाए ।उज्जैन की तरफ से मार्ग निर्माण का कार्य जल्द शुरू होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार यह बहु उपयोगी मार्ग है और इस मार्ग के बनने से उज्जैन-जावरा की दूरी भी कम हो जाएगी। इसके साथ ही दिल्ली-मुंबई और महू - नीमच मार्ग की कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी।जिससे सिंहस्थ 2028 में आने वाले श्रद्धालुओं को एक नया मार्ग उपलब्ध रहेगा और भीड़ नियंत्रण में भी सुविधा होगी। सिंहस्थ में आने वाले श्रद्धालुओं को मां शिप्रा के पवित्र जल से स्नान करने के लिए यातायात सुगमता से प्राप्त हो सकेगा।

विधायक डॉ. शर्मा के विजन के तहत नपा ने 523.6 लाख के कार्यों का किया भूमिपूजन

नर्मदापुरम। नगर पालिका परिषद ने पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं स्थानीय विधायक डॉ. सीताशरण शर्मा के विजन डॉक्यूमेंट के तहत शहर के विभिन्न वार्डों में 523.6 लाख रुपये की लागत से होने वाले विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। साथ ही 439.47 लाख रुपये की राशि से पूर्ण हुए कार्यों का लोकार्पण भी अतिथियों द्वारा संपन्न हुआ।कार्यक्रम की अध्यक्षता नपा अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने कीं, जिन्होंने भूमिपूजन और लोकार्पण की राशि व विस्तृत जानकारी साझा की। स्वागत भाषण वार्ड पार्षद रिचा जीतू तिवारी ने दिया, जबकि संचालन अनुराग तिवारी ने किया। आभार ज्ञापन नपा उपाध्यक्ष अभय वर्मा ने किया।मुख्य अतिथि पूर्व विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सीताशरण शर्मा, सांसद दर्शन सिंह चौधरी, तैराकी संघ के प्रदेश अध्यक्ष पं. पीयूष शर्मा और नपा अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने कार्यक्रम को संबोधित किया। विधायक प्रतिनिधि महेंद्र यादव सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, पार्षद, सभापति और नागरिक उपस्थित रहे। अतिथियों का नागरिकों ने 51 किलो की पुष्पमाला से अभिनंदन किया।उपयंत्री दीक्षा तिवारी ने बताया कि इस अवसर पर डाग कैचर वाहन का भी लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम प्रभारी दीक्षा तिवारी रहीं।

मेट्रो एंकर

नगर मंडल का पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान सम्पन्न

भाजपा कार्यकर्ताओं ने पढ़ा संगठन कार्यशैली का पाठ

सिरोंज, दोपहर मेट्रो।

भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल द्वारा आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय दो दिवसीय प्रशिक्षण महाअभियान बुधवार शाम 'जन-गण-मन' के साथ सम्पन्न हुआ। यह प्रशिक्षण मंगलवार शाम से उमा श्री गार्डन में प्रारंभ हुआ था। कार्यक्रम में वक्ताओं ने पृथक पृथक आठ सत्रों में विभिन्न विषयों पर विस्तार से मार्गदर्शन देते हुए उपस्थित कार्यकर्ताओं को पार्टी की रीति-नीति, इतिहास एवं भविष्य की योजनाओं से अवगत कराया। प्रशिक्षण के दूसरे दिन प्रारंभ हुए क्रमवार सत्रों की श्रृंखला में प्रथम सत्र में बूथ प्रबंधन एवं मन की बात विषय पर मुख्य वक्ता रमेश यादव ने कार्यकर्ताओं को 'मेरा बूथ सबसे मजबूत' के

भाव से कार्य करने की प्रेरणा दी तथा मासिक 'मन की बात' कार्यक्रम के महत्व को बताया। इसके बाद सोशल मीडिया, एआई एवं नमो संगठन ऐप विषय पर मुख्य वक्ता डॉ. एम. के. सोनी ने कहा कि सोशल मीडिया ने जनसंपर्क को सरल बनाया है, लेकिन फेक न्यूज से सावधान रहना आवश्यक है। उन्होंने नमो ऐप, संगठन एप पर संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी एवं उपयोग पर जोर दिया, इसके उपरांत अगले सत्र में भाजपा के इतिहास एवं विकास पर बलवीर रघुवंशी ने 'राष्ट्र सर्वप्रथम' की विचारधारा को प्रमुख बताते हुए पार्टी की स्थापना से लेकर वर्तमान तक की यात्रा का वर्णन किया। भोजन अवकाश के पूर्व हुए सत्र कार्य विस्तार एवं संगठन की दृष्टि विषय पर श्रवण व्यास ने कार्यकर्ताओं को हनुमान जैसी निष्ठा और नेतृत्वकर्ता को भगवान राम जैसे आदर्श गुण अपनाने की प्रेरणा दी। प्रशिक्षण शिविर के अंतिम सत्र में लक्ष्मण सिंह बघेल ने केंद्र एवं राज्य सरकार की उपलब्धियों तथा जनहितकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर विस्तार से जानकारी दी।

अनुशासन और संगठनात्मक मजबूती का प्रदर्शन

प्रशिक्षण के दूसरे दिन की शुरुआत शाखा के माध्यम से हुई, जिसमें प्रशिक्षणार्थियों ने विभिन्न खेलों एवं व्यायाम के माध्यम से शारीरिक गतिविधियों में भाग लिया। एक घंटे तक चले इस सत्र का समापन पर कार्यकर्ताओं ने भारत माता की प्रार्थना की। मंडल स्तरीय यह प्रशिक्षण कार्यक्रम अनुशासन और संगठनात्मक मजबूती का उत्कृष्ट उदाहरण रहा। कार्यकर्ताओं ने न केवल प्रशिक्षण प्राप्त किया, बल्कि पूरे कार्यक्रम की व्यवस्थाओं समयबद्धता, स्वच्छता, बैठने की व्यवस्था और अतिथियों के स्वागत को भी जिम्मेदारीपूर्वक संभाला।

भारतीय खेल प्राधिकरण
SPORTS AUTHORITY OF INDIA
भारत सरकार / GOVERNMENT OF INDIA
खेल विभाग / DEPARTMENT OF SPORTS
(An Autonomous Body under Ministry of Youth Affairs and Sports)
(युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय)
Room No. 210, SAI-Head Office Building, SAI - Headquarter, Jawaharlal Nehru Stadium Complex (East Gate-No.10) Lodhi Road, New Delhi-110003
फाइल क्रमांक: 01-04001(01)/1/2026-66/150 दिनांक : 30.01.2026
अधिसूचना
भारतीय खेल प्राधिकरण नियमित आधार पर प्रदर्शन विश्लेषक के पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन आमंत्रित करता है।
भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) 7वें सीपीसी के वेतनमान-6 (रु.35400-रु.112400/-) में 7 खेल विज्ञान विषयों में प्रदर्शन विश्लेषक के 48 पदों (सीधी भर्ती) के लिए पात्र आवेदकों से आवेदन आमंत्रित करता है।
उक्त पद का विवरण और अन्य प्रासंगिक जानकारी एसएआई की वेबसाइट https://sportsauthorityofindia.nic.in पर उपलब्ध है।
उपनिर्देशक (DEPUTY DIRECTOR)
मानव संसाधन प्रभाग- II (HUMAN RESOURCES DIVISION -II)
भाखेप्रा मुख्य कार्यालय (SAI HEAD OFFICE)
cbc 47103/12/0002) 2627

1.22 करोड़ रुपए के गबन का मामला

एसबीआई के तत्कालीन मैनेजर सहित अन्य को 3-3साल की जेल

जबलपुर। सीबीआई के विशेष न्यायाधीश रूपेश कुमार गुप्ता की अदालत ने एसबीआई के तत्कालीन मैनेजर सहित अन्य को तीन-तीन वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 11 लाख 20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। दरअसल, सीबीआई द्वारा वर्ष 2011 में एफआईआर दर्ज कर विवेचना की गई थी।फरवरी, 2010 से मई, 2010 के अंतराल में भारतीय स्टेट बैंक के तत्कालीन मैनेजर केएस राउत, विजय कुमार मालवीय, फील्ड आफिसर के द्वारा आशीष सिंघई, योगेंद्र, मणि सिंघई, प्रियंका, संतोष सिंघई व विष्णु बहादुर सिंह के साथ मिलकर आपराधिक षडयंत्र किया गया व एक करोड़ 22 लाख का गबन किया गया। मामले में विवेचना के बाद दमोह जिले के तेंदूखेड़ा में पदस्थ तत्कालीन बैंक मैनेजर केएस राउत, विजय कुमार मालवीय फील्ड ऑफिसर तेंदूखेड़ा व अन्य नौ के विरुद्ध सीबीआई द्वारा चार्जशीट फाइल की गई थी। विवेचना में यह पाया गया था कि दाल मिल संचालक सिंघई परिवार द्वारा वेयरहाउस में बिना दाल रखे प्रबंधक के साथ मिलकर फर्जी रसीद जारी कराई गई। जिसके आधार पर सिंघाई परिवार द्वारा एसबीआई से लोन लिया गया।

11 लाख 20 हजार रुपये जुर्माना

सिंघाई परिवार द्वारा फर्जी रसीद के आधार पर एसबीआई से जो लोन लिया गया था। उसका भुगतान नहीं किया गया था। वेयर हाउस के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा वेयर हाउस का निरीक्षण किया गया तब बाहरी लेयर में चने की दाल और अंदर लेयर में भूसी व डस्ट रखी हुई थी। कोर्ट ने सभी आरोपियों को दोषी पाते हुए 3-3 वर्ष के कारावास व 11 लाख 20 हजार रुपये के जुर्माने से दंडित किया।

एलपीजी गैस वितरण को लेकर बन रही विवाद की स्थिति

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा में इन दिनों एलपीजी गैस वितरण को लेकर लगातार विवाद की स्थिति बनी हुई है। कभी सड़क पर प्रदर्शन तो कभी उपभोक्ताओं का गैस गोदाम पहुंचकर प्रदर्शन लोगों में बढ़ती नाराजगी अब उग्र रूप लेती नजर आ रही है।

इसी बीच को खजरी रोड स्थित नहर गैस एजेंसी कार्यालय में बड़ा हंगामा हो गया। अपनी बारी का इंतजार कर रहे उपभोक्ताओं ने अचानक आपा खो दिया और एजेंसी के कर्मचारी के साथ मारपीट कर दी। यह पूरी घटना ऑफिस में लगे ष्टष्टञ्जङ्क कैमरे में कैद हो गई है। जिसके बाद प्रशासन ने इसे विवेचना में लिया है।

शहरीय इलाकों से लेकर दूर दराज के अंचलों तक डिजिटल भारत का सपना बनेगा पहचान

दोगुना आय का सुनहरा मौका है सीएससी सेंटर

तेंदूखेड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना था कि डिजिटल इंडिया अभियान के माध्यम से शहरी क्षेत्र ही नहीं बल्कि दूर दराज के अंचलों तक कॉमन सर्विस सेंटरो को तेज गति मिले। इस अभियान से भारत विकसित और समृद्ध होगा। जिसको लेकर आज दमोह जिले में (CSC) संचालकों की एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें करीब 100 वीएलई शामिल हुए।

तेंदूखेड़ा ब्लॉक से भी 50 से ज्यादा वीएलई इस कार्यक्रम का हिस्सा रहें जिन्होंने पिछले साल 2025 में बाढ़ आपदा के समय भी अपनी सेवाएं दी। इस कार्यक्रम की शुरुआत सीएससी राज्य प्रमुख अतुलित राय एवं उनकी टीम ने संचालकों को आयुष्मान कार्ड, बैंकिंग बीसी, डिजीपे, बीमा और ई-श्रम जैसी सेवाओं के प्रभावी संचालन के गुण सिखाए। इन सेवाओं को पारदर्शिता के साथ आमजन तक पहुँचाकर वीएलई अपनी आय में भी वृद्धि कर सकते हैं। इसके साथ ही ऐसे कस्बे जहां आजाद भारत की मूलभूत सुविधाएं नहीं पहुचीं वहां विभिन्न संसाधनों को जुटाकर लोगों को सीएससी की सेवाओं से जोड़ने वाले वीएलई को संचालकों ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में स्टेट प्रोजेक्ट मैनेजर संकल्प सोनी, राज्य समन्वयक आशीष द्विवेदी, सागर गुप्ता और जिला प्रबंधक प्रशांत कुमार साहू ने भी मार्गदर्शन दिया।

दोस्त के साथ नागदा से लाया था ड्रग्स, इंजेक्शन लेने के बाद घर में मिला था शव

खुलासा: ब्राउन शुगर के ओवरडोज से युवक की हुई थी मौत

नशा सप्लाई करने वाले तस्कर और बंगाली डॉक्टर पर एफआईआर दर्ज

धार, दोपहर मेट्रो

धार की इंद्रा कॉलोनी में घर पर ही संदिग्ध अवस्था में हुई युवक की मौत अधिक शराब सेवन सहित नशीले पदार्थ से हुई थी, पूरे मामले का खुलासा पुलिस की जांच में हुआ है। मृतक संजय पिता मुकेश डावर दोस्त रिजवान के साथ नागदा गया था, जहां से संजय ने ब्राऊन शुगर ली थी। इसके बाद धार आकर संजय ने स्मेक पाउडर का सेवन किया, जिससे उसकी मौत हो गई। अब पुलिस ने संजय के दोस्त रिजवान पिता नवाब निवासी ईमलीबन, नशीला पदार्थ उपलब्ध करवाने वाला विजय जायसवाल निवासी नागदा सहित बंगाली डॉक्टर बिश्वजित सिंह बोस निवासी लेबड़ के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। बुधवार दोपहर में कोतवाली पुलिस टीम बंगाली डॉक्टर बिश्वजित सिंह और रिजवान को गिरफ्तार कर लिया है, विजय जायसवाल एनडीपीएस के अन्य प्रकरण में राजस्थान की प्रतापगढ़ जेल में बंद है। धार शहर का यह पहला मामला हैं, जिसमें पुलिस ने नशीले पदार्थ बेचने वाले व्यक्ति के साथ ब्राऊन शुगर पीने के लिए शीशी व इंजेक्शन उपलब्धय करवाने वाले डॉक्टर को भी आरोपी बनाया है। बुधवार को पुलिस ने आरोपी बंगाली डॉक्टवर को गिरफ्तार किया है।

यह था मामला

दरअसल कोतवाली थाना अंतर्गत बस स्टैंड के पिछे इंद्रा कॉलोनी में संजय पिता मुकेश डावर उम्र 28 की घर पर ही संदिग्धो मौत हुई थी। संजय की मां सीमा डामोर 26 अक्टूंपबर को घर लौटी तो युवक अचैत अवस्था में घर पर ही मत पडा हुआ था। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची व मामले की जांच शुरु की गई। अगले दिन पुलिस ने पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। परिजनों ने ही नशीले पदार्थ का सेवन की बात बताई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए सीएसपी सुजवाल जग्गाज के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस ने जांच शुरु की। युवक के विसरा को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया था, जहां से रिपोर्ट पुलिस को प्राप्त हुई।

6 हजार में खरीदा था

परिजनों के बयान और पुलिस साक्ष?यों में यह भी सामने आया है कि 25 अक्?टूबर को संजय रिजवान पिता उर्फ नशीर शाह पिता नवाबशाह निवासी निवासी ईमलीवन के साथ नागदा गया था, नागदा में जैन टी स्?टॉल के पास खेत में विजय जायसवाल निवासी नागदा से मिला था। विजय ने दोनों को 6 हजार रुपये लेकर ब्राउन शुगर दी थी, फि?र संजय बस में बैठकर धार आ गया और रिजवान नागदा से लेबड़ चला गया था। लेबड में बंगाली डॉक्?टर बिश्?वजित सिंह बोस पिता निखि?ल रंजन से मिला और उसके क्लिनिक से एवील की एक शीशी के साथ इंजेक्?शन खरीदा और बाइक से रिजवान इन्?हें लेकर धार आ गया था। धार आने के बाद एवील की शीशी और इंजेक्?शन संजय को दे दिया था जिसे संजय ने सेवन किया और उसकी मौत हो गई। पुलिस ने जांच में पाया कि आरोपी विजय द्वारा मृतक संजय व आरोपी रिजवान उर्फ नासीर को ड्रग्स ब्राउन शुगर स्मेक पॉउडर सप्लाई किया गया। आरोपी विजय एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण में प्रतापगढ़ राजस्थान की जेल में बंद है। बंगाली डॉक्टर आरोपी बिश्वजीत द्वारा आरोपी रिजवान उर्फ नाशीर को ड्रग्स ब्राउन शुगर, स्मेक पॉउडर के सेवन के लिये एवील इंजेक्श्न व सिरिंज बिना किसी डॉक्टर की पर्ची या लायसेंस के विक्रय की गई। आरोपी रिजवान उर्फ निशार द्वारा आरोपी बंगाली डॉक्टर बिश्वजीत बोस से एवील इंजेक्श्न व सिरिंज लाकर मृतक संजय डामोर की दी गई, जो मौत का कारण बनी। पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षाओं का परिणाम

जिले की हाईस्कूल में 78.57 प्रतिशत और हायर सेकेंडरी में 80.19 प्रतिशत विद्यार्थी हुए सफल

सागर। माध्यमिक शिक्षा मण्डल, द्वारा कक्षा 10वीं व कक्षा 12वीं परीक्षाओं के घोषित परिणाम में सागर जिले के विद्यार्थियों ने शानदार सफलता अर्जित की है। जिले में हाईस्कूल के 78.57 प्रतिशत एवं हायर सेकेंडरी के 80.19 प्रतिशत विद्यार्थियों ने परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने सफल विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। असफल रहे विद्यार्थियों के लिए उन्होंने संदेश दिया है कि वे निराश न हों, माध्यमिक शिक्षा मण्डल द्वारा आयोजित द्वितीय अवसर परीक्षा में शामिल होकर पुनः प्रयास कर अपना परीक्षा परिणाम सुधारें एवं सफलता प्राप्त करें। इस वर्ष किसी भी छात्र का परीक्षा फल पूरक घोषित नहीं किया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप इस वर्ष से पूरक परीक्षा के स्थान पर द्वितीय अवसर परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य परीक्षा में अनुत्तीर्ण, अनुपस्थित या ऐसे विद्यार्थी जो उत्तीर्ण हैं, परंतु अपने अंकों में सुधार चाहते हैं, वे दिनांक 7 मई 2026 से आयोजित होने वाली द्वितीय अवसर परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं। मंडल की हेल्पलाइन सेवा के माध्यम से परीक्षार्थी किसी भी प्रकार की अकादमिक अथवा मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग सेवा प्राप्त कर सकते हैं। सागर. ज्ञान की पूंजी, कभी व्यर्थ नहीं जाती आपकी पृष्ठभूमि नहीं, आपके संकल्प गढ़ते हैं आपका भविष्य, शिक्षक की भूमिका महत्वपूर्ण, विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और भविष्य निर्माण के शिक्षक दिग्दर्शक होते हैं।

17 की जगह 7 कर्मचारियों से लिया जा रहा काम

अनूपपुर। जिले में खनिज विभाग का संचालन अब सिर्फ 7 कर्मचारियों के जरिए हो रहा है, जबकि असल ज़रूरत 17 कर्मचारियों की है। इससे अवैध कोयला खनन और चोरी की संभावनाएँ बढ़ गई हैं। स्थानीय सूत्रों का आरोप है कि यह कमी जानबूझकर प्रदेश प्रशासन द्वारा बनाई गई है, जिससे अवैध खनन का नेटवर्क और मजबूत हो सके। विभागीय कमज़ोरी का फायदा उठाकर खदानों में चोरी और लूट लगातार बढ़ रही है, जबकि सरकारी रिकॉर्ड में सब 'सुरक्षित और शून्य' दिखाया जाता है।

जनता और विशेषज्ञ अब सवाल कर रहे हैं—क्या प्रशासन सचमुच कर्मचारियों की कमी को नजरअंदाज कर रहा है, या यह अवैध खनन के लिए जानबूझकर सुविधाजनक माहौल तैयार कर रहा है?

स्टेशन पर संदिग्ध गतिविधियां सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

अनूपपुर। अनूपपुर रेलवे स्टेशन पर इन दिनों सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय सूत्रों और यात्रियों के अनुसार, स्टेशन परिसर में कुछ ऐसे लोग खुलेआम सामान बेचते नजर आ रहे हैं, जिनका आपराधिक रिकॉर्ड बताया जा रहा है।

बताया जा रहा है कि एक व्यक्ति, जिस पर हत्या का मामला लंबित है और जिसकी तलाश पुलिस कर रही है, वह स्टेशन परिसर में बेधड़क सामान बेच रहा है। इसी तरह एक अन्य व्यक्ति, जिस पर रेलवे में चोरी का मामला दर्ज है और जो पहले रेलवे कोर्ट में पेश हो चुका है, वह भी स्टेशन क्षेत्र में सक्रिय रूप से व्यापार कर रहा है। इस मामले में रेलवे सुरक्षा बल और राजकीय रेलवे पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि स्टेशन परिसर में सक्रिय इन लोगों का अब तक कोई पुलिस वेरिफिकेशन नहीं कराया गया है, जो सुरक्षा मानकों का गंभीर उल्लंघन माना जा रहा है।

भमकाघाट, ग्राम जरुआ में जल संवर्धन अभियान का आयोजन

जल संरक्षण हेतु दिलाया गया संकल्प

तेंदूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम इमलीडोल के आश्रित गांव जरुआ के भमका घाट पर बुधवार ग्रामीण विकास समिति द्वारा जल संवर्धन अभियान के अंतर्गत एक प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जल संरक्षण के क्षेत्र में कार्यरत प्रमुख हस्तियों ने सहभागिता कर ग्रामीणों को जागरूक एवं प्रेरित किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ. संजय सिंह जल वैज्ञानिक एवं राष्ट्रीय संयोजक, जल जन जोड़ो अभियान, मनीष राजपूत जल प्रहरी एवं ओमेश सिंह जल योद्धा उपस्थित रहे। ओमेश सिंह द्वारा राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा एवं दिल्ली राज्यों में लगभग 500 किलोमीटर की पदयात्रा कर ÷जल सहेली÷ कॉन्सेप्ट के माध्यम से यमुना नदी संरक्षण हेतु किए गए कार्यो का उल्लेख करते हुए उन्होंने अपने अनुभव साझा किए। साथ ही उन्होंने बुंदेलखंड क्षेत्र की नदियों को पुनर्जीवित करने के प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान सभी अतिथियों ने ग्रामीणों को जल संरक्षण के महत्व के बारे में बताया तथा जल संकट से निपटने के लिए सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया। इस अवसर पर ग्रामीणों को जल संरक्षण का संकल्प दिलाया गया। डॉ. संजय सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि ÷जल ही जीवन है, और इसके संरक्षण के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। वहीं ओमेश सिंह ने आश्वासन दिया कि गौरैया नदी को पुनर्जीवित करने के लिए जहां भी उनकी आवश्यकता होगी, वे सदैव तत्पर रहेंगे। जन अभियान परिषद से दीपचंद मालवीय उपस्थित रहे कार्यक्रम में महिला एवं पुरुष दोनों वर्गों की सक्रिय सहभागिता रही, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि ग्राम स्तर पर जल संरक्षण को लेकर जागरूकता बढ़ रही है। ग्रामीण विकास समिति के प्रतिनिधियों ने बताया कि भविष्य में भी इस प्रकार के जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि जल स्रोतों का संरक्षण एवं संवर्धन सुनिश्चित किया जा सके।

मेट्रो एंकर कबाड़ से जुगाड़ कर बनी रेडियो की आकृति वाणिज्यकर चौराहे पर स्थापित

कबाड़ सामग्री से निर्मित आकर्षक कलाकृतियों से सज रहे चौराहे

कचरे के उत्पादन को कम करने के साथ-साथ रोजगार से जुड़ी कला को मिल रहा बढ़ावा

सागर, दोपहर मेट्रो

स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में सागर को प्रथम स्थान पर लाने के उद्देश्य से निगमायुक्त राजकुमार खत्री के मार्गदर्शन में स्वच्छता से जुड़े हर एक पहलू पर सजगता से कार्य किये जा रहे हैं। शहर में कचरे का उत्पादन कम कैसे किया जा सकता है इस पर गहन विचार विमर्श कर निगमायुक्त ने कबाड़ से जुगाड़ कर ऐसी कलाकृतियाँ बनवाने का निर्णय लिया जो वर्तमान परिपेक्ष्य में लोगों की प्रेरणा बनें और कुछ ऐसी कलाकृतियाँ तैयार की गई जिनका अपने समय में अद्वितीय महत्व था इनमें से एक है कबाड़ से बना रेडियो। यह कबाड़ से जुगाड़ कर बनी रेडियो की प्रतिकृती निगमायुक्त ने वाणिज्यकर चौराहे पर स्थापित करायी है। कबाड़ सामग्री स्क्रेप लोहा, चद्दर, टीन, वाहनों के पुराने अनुपयोगी कलपुर्जे आदि उपयोग कर लगभग 15-20 फ़ीट लम्बी, 2 फ़ीट चौड़ी और 8-10 फ़ीट ऊंचाई की इस रेडियो प्रतिकृती को रेडियो की बारीकीयों को ध्यान में रखकर आकर्षक बनाया गया है।

निगमायुक्त ने शहर के रेग पिकर्स, कबाड़ बीनने वालों और कबाड़ बेचने वालों सहित कचरे के सेग्रीगेशन से जुड़े छोटे बड़े व्यापारियों के साथ संवाद कर अनुपयोगी कबाड़ सामग्री से आकर्षक कलाकृतियों को बनाकर बेचने की बात कही। उन्होंने कहा की एक सम्पन्न व्यक्ति के घर में जो वस्तु कबाड़ है वही किसी जरूरतमंद व्यक्ति के लिए उपयोगी होती है। यदि इस प्रक्रिया को कड़ी से कड़ी मिलाकर पूरा किया जाये तो कचरे के उत्पादन को बहुत हद तक कम किया जा सकता है। इसके लिए निगम द्वारा सेंटर के माध्यम से प्रयास किया जा रहा है। निगम द्वारा संचालित 3ङ्गसेंटरों में कपड़ा बैंक, बर्तन बैंक, पुस्तक बैंक खिलौना बैंक आदि अन्य प्रकल्प संचालित हैं। उन्होंने रिसाइकल रीयूज और रिड्यूज का उदाहरण देते हुए बताया की नगर पालिक निगम की स्टोर शाखा, वाहन शाखा और अतिक्रमण शाखा आदि में बहुत सी कबाड़ सामग्री वर्षों से अनुपयोगी पड़ी थी इस समाग्री को कलाकारों से परीक्षण कराया और कुछ उपयोगी वस्तु बनाने का विचार रखा.

ये कलाकृतियां बढ़ा रहीं चौराहों की शोभा

राहतगढ़ बस स्टेंड ब्रिज के पास स्थापित विशाल तोप, कालीचरण मूर्ति के पास स्थापित मिसाइल और वाणिज्यकर चौराहे पर स्थापित रेडियो, शीतलामाता मंदिर पर लगाई गई नीलकंठ चिड़िया आदि के रूप में देखने मिल रहा है। इन कलाकृतियों को देखकर नई नई प्रतिकृती निर्माण की प्रेरणा व्यक्ति को विशेष कौशल प्रदान कर सीधे रोजगार पाने या आत्मनिर्भर बनने के योग्य बना सकती है।

तेज रफ्तार पिकअप ने पेट्रोल पंप की मशीन में मारी टक्कर

तेंदूखेड़ा। तेंदूखेड़ा नगर क्षेत्र में स्थित मां त्रिपुरी पेट्रोल पंप जो जबलपुर मार्ग पर स्थित है पर एक अत्यंत गंभीर एवं चिंताजनक घटना घटित हुई, जिसने स्थानीय प्रशासन एवं आम नागरिकों के बीच सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, एक पिकअप वाहन चालक ने पेट्रोल पंप परिसर में घुसकर तेज गति से वाहन चलाते हुए पेट्रोल मशीन में जोरदार टक्कर मार दी। घटना की प्रकृति को देखते हुए यह आशंका व्यक्त की जा रही है कि यह कृत्य किसी बड़े हादसे या संभावित विस्फोट को अंजाम देने की मंशा से किया गया हो सकता था।

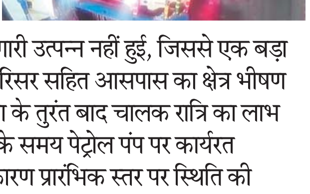

सौभाग्यवश, घटना के दौरान कोई चिंगारी उत्पन्न नहीं हुई, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। अन्यथा पेट्रोल पंप परिसर सहित आसपास का क्षेत्र भीषण क्षति की चपेट में आ सकता था। घटना के तुरंत बाद चालक रात्रि का लाभ उठाकर मौके से फरार हो गया। घटना के समय पेट्रोल पंप पर कार्यरत कर्मचारी विश्राम कर रहे थे, जिसके कारण प्रारंभिक स्तर पर स्थिति की जानकारी देर से प्राप्त हुई। टक्कर की तेज आवाज सुनकर कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई। घटना के पश्चात पेट्रोल पंप परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज सामने आए जो वर्तमान में सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है सुबह होने पर पेट्रोल पंप संचालक मनीष यादव ने तेंदूखेड़ा थाने में पहुंचकर इस घटना का आवेदन दिया इसी दौरान उन्हें जानकारी प्राप्त हुई कि उनकी रिश्तेदारी में गमी हो गई है जिसके कारण भी 3 दिन के लिए बाहर चले गए वहां से आने सीसीटीवी संबंधित पिकअप वाहन जो हरियाणा राज्य का है, जो दूसरे व्यक्ति को बिक भी चुका है किंतु उसका स्वामित्व हस्तांतरण अभी तक नहीं हुआ है।

प्रफुल्ल हिंगे की कहानी: मैकग्रा कनेक्शन ने निभाई अहम भूमिका

आईपीएल डेब्यू पर बेटे की सफलता से भावुक हुए पिता

नई दिल्ली, एजेंसी

सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज प्रफुल्ल हिंगे ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल 2026 के मैच में धमाल मचा दिया। अपने आईपीएल करियर का पहला ओवर डालने आए प्रफुल्ल ने शुरुआती ओवर में ही तीन विकेट झटक कर राजस्थान की पारी लड़खड़ा दी थी। सनराइजर्स हैदराबाद को मिली जीत में प्रफुल्ल हिंगे का योगदान सबसे अहम रहा जिन्होंने चार ओवर में 34 रन देकर चार विकेट लिए।

डेब्यू मैच में ही चमके प्रफुल्ल- प्रफुल्ल ने पंजाब किंग्स के खिलाफ पिछले मैच से आईपीएल में डेब्यू किया था, लेकिन उन्हें उस मैच में गेंदबाजी करने का मौका नहीं मिला था क्योंकि वह इम्पैक्ट प्लेयर की लिस्ट में थे और मैदान पर नहीं उतरे थे। इस लिहाज से प्रफुल्ल का राजस्थान के खिलाफ मैच आईपीएल करियर का डेब्यू मुकाबला रहा। प्रफुल्ल अपने डेब्यू मैच में ही जलवा बिखेरने में सफल रहे और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

खुशी से झूम उठे प्रफुल्ल के पिता

प्रफुल्ल की सफलता पर उनके पिता प्रकाश हिंगे खुशी से फूले नहीं समा रहे हैं, उनके बेटे प्रफुल्ल की उपलब्धि का जश्न मनाते समय वह अपने शब्दों के चयन और उत्साह की अभिव्यक्ति में बहुत संयम बरतते हैं। दरअसल हिंगे परिवार को यह भी नहीं पता था कि उनका बेटा सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से सोमवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेलेगा या नहीं। अकाउंटेंट के पद पर काम कर चुके प्रकाश ने कहा, हमें पता था कि इम्पैक्ट प्लेयर्स की सूची में होने के कारण उसे पंजाब के खिलाफ खेलना था। हम उससे कभी नहीं पूछते कि वह खेल रहा है या नहीं। वह सोने से पहले हर दिन रात 10 बजे फोन करता है। हमारे बीच बस सामान्य बातचीत होती है जैसे खाना खाया। कल जब मैच का प्रसारण शुरू हुआ तो हमने टीवी पर देखा कि वह डेब्यू करेगा, इसलिए हम खुश थे।

13 साल की उम्र में हुआ दाखिला

नागपुर के रहने वाले प्रकाश ने उस समय को याद किया जब उन्होंने अपने बेटे प्रफुल्ल की क्रिकेट में रुचि को देखते हुए उसे स्थानीय जिमखाना क्लब में दाखिला दिलाया था। तब वह लगभग 13 साल का था। प्रकाश ने कहा, मैं अपने मोहल्ले की गलियों में खेलता था। मेरे बेटे को इसमें रुचि थी, इसलिए मैंने उसे एक स्थानीय अकादमी में दाखिला दिला दिया। मैंने उसे जरूर संतुलन बनाए रखने के लिए कहा लेकिन साथ ही मैं उसे अपना रास्ता चुनने की स्वतंत्रता भी देना चाहता था।

एक बार जब प्रफुल्ल विदर्भ की अंडर-16 टीम में शामिल हो गए, तो फिर उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज प्रशांत वैद्य ने प्रफुल्ल को चेन्नई स्थित एमआरएफ पेस फाउंडेशन में भेजने की सलाह दी। तमिलनाडु के पूर्व बल्लेबाज सेंथिलनाथन ने ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज मैकग्रा को श्रेय दिया, जिन्होंने प्रफुल्ल की मदद की थी। उन्होंने कहा, रणनीतिक पक्ष की बात करें तो मैकग्रा शायद दुनिया में सर्वश्रेष्ठ हैं। उन्हें पता है कि किस लेंथ और किस लाइन पर गेंदबाजी करनी है। नई और पुरानी गेंदों का उपयोग कैसे करना है। सबसे महत्वपूर्ण बात बड़े मैच के दबाव को कैसे संभालना है। ये वो चीजें हैं जो मैकग्रा सिखाते हैं, जो निश्चित रूप से उसके लिए मददगार साबित होंगी।

बेंगलुरु ने लखनऊ को 5 विकेट से हराया,

पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंची आरसीबी विराट कोहली और रसिक सलाम चमके

बेंगलुरू, एजेंसी

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के मैच नंबर-23 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का सामना लखनऊ सुपर जायंट्स (स्न्न) से हुआ. दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला गया, जिसमें आरसीबी ने 5 विकेट से जीत हासिल की. आरसीबी को जीत के लिए 147 रनों का टारगेट मिला था, जिसे उसने 15.1 ओवरों में ही हासिल कर लिया.

विराट कोहली ने रनचेज में शानदार 49 रन बनाए. वहीं तेज गेंदबाज रसिक सलाम डार ने 4 खिलाड़ियों को आउट किया. इस जीत के साथ ही रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु अंकतालिका में पहले नंबर पर आ गई. आरसीबी के 5 मैचों में चार जीत से 8 अंक हैं, लेकिन उसका नेट रनरेट राजस्थान रॉयल्स से बेहतर है. पंजाब किंग्स तीसरे और सनराइजर्स हैदराबाद चौथे नंबर पर हैं.

मौजूदा सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और लखनऊ सुपर जायंट्स का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव रहा. रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने सनराइजर्स हैदराबाद, चेन्नई सुपर किंग्स (ष्ट्स्य) और मुंबई इंडियंस (स्ढ्ढ) पर जीत हासिल की थी. जबकि राजस्थान रॉयल्स ने उसे परास्त किया था. दूसरी ओर लखनऊ सुपर जायंट्स को दिल्ली कैपिटल्स (ष्ठष्ट) और गुजरात टाइटन्स (त्नञ्) के हाथों शिकस्त झेलनी पड़ी थी. वहीं सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइर्स को ऋषभ पंत ब्रिगेड ने पराजित किया था.

लखनऊ ने आरसीबी को दिया 146 रनों का टारगेट

लखनऊ सुपर जायंट्स ने टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए 20 ओवरों में 146 रन बनाए। लखनऊ की शुरुआत कुछ खास नहीं रही। एडेन मार्करम 12 रनों के निजी स्कोर पर पवेलियन लौट गए। मार्करम का विकेट रसिक सलाम डार ने लिया। फिर कप्तान ऋषभ पंत को जोश हेजलवुड की गेंद बाईं कोहनी में लगी और रिटायर्ड हर्ट होना पड़ा। हालांकि पंत बाद में बैटिंग करने आए। इसके बाद जोश हेजलवुड ने निकोलस पूरन (1 रन) को शानदार गेंद पर बोल्ड कर लखनऊ को दूसरा झटका दिया। सलामी बल्लेबाज मिचेल मार्श क्रीज पर सेट हो चुके थे, लेकिन वो अपनी इनिंग्स को बड़ी नहीं कर सके। मार्श को क्रुणाल पंड्या ने बोल्ड किया। मार्श ने 3 चौके और दो छक्के की मदद से 32 गेंदों पर 40 रन बनाए। क्रुणाल ने इसके बाद अब्दुल समद (0 रन) को क्रीज पर टिकने ही नहीं दिया। रसिक सलाम डार ने आयुष बदोनी को आउट कर आरसीबी को पांचवीं सफलता दिलाई। बदोनी ने 4 चौके और एक छक्के की मदद से 24 बॉल पर 38 रन बनाए। फिर भुवनेश्वर कुमार ने कप्तान ऋषभ पंत (1 रन) को चलता कर दिया। भुवनेश्वर यही नहीं रुके, उन्होंने लगातार गेंदों पर जॉर्ज लिंडे (7 रन) और मोहम्मद शमी (0 रन) को पवेलियन भेजा। लखनऊ का 9वां विकेट मुकुल चौधरी के रूप में गिरा, जो शानदार बैटिंग कर रहे थे। मुकुल ने 28 गेंदों पर 39 रनों की पारी खेली, जिसमें तीन चौके और दो छक्के शामिल रहे।

आरसीबी की शुरुआत नहीं रही अच्छी

रनचेज में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की शुरुआत अच्छी नहीं रही। फिल साल्ट सिर्फ 7 रन बनाकर प्रिंस यादव की गेंद पर बोल्ड हो गए। इसके बाद इम्पैक्ट सब विराट कोहली और देवदत्त पडिक्कल ने दूसरे विकेट के लिए 57 रनों की साझेदारी की। आवेश खान ने पडिक्कल (10 रन) को आउट करके इस साझेदारी को ब्रेक किया। फिर विराट कोहली के रूप में आरसीबी को तीसरा झटका लगा। कोहली ने 6 चौके और एक छक्के की मदद से 34 बॉल पर 49 रन बनाए। कोहली को आवेश खान ने निकोलस पूरन के हाथों कैच आउट कराया। कप्तान रजत पाटीदार और जितेश शर्मा ने कुछ बड़े शॉट्स लगाकर टीम को जीत के करीब पहुंचाया। पाटीदार ने 13 गेंदों पर 27 रन बनाए। वहीं जितेश ने 9 गेंदों का सामना कर 23 रनों का योगदान दिया। रजत और जितेश के विकेट प्रिंस यादव ने झटके। यहां से टिम डेविड (14* रन) और रोमारियो शेफर्ड (14* रन) ने आरसीबी को जीत के द्वार तक पहुंचाया।

खाली मैदान में पीएसएल के सवाल पर नकवी ने मारी पलटी भारत के खिलाफ उगला जहर

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी का एक बयान क्रिकेट जगत में चर्चा का विषय बन गया है। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल 2026) में खाली स्टेडियम को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने भारत में पेट्रोल संकट होने का दावा कर दिया, जिससे विवाद खड़ा हो गया है।

दरअसल, पीएसएल 2026 के मुकाबले बिना दर्शकों के कराए जा रहे हैं। जब इस पर सवाल उठे, तो नकवी ने कहा कि पाकिस्तान में कोई ईंधन संकट नहीं है, बल्कि भारत में पेट्रोल की कमी है और वहां पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें लगी हैं।

हालांकि, उनके इस बयान पर सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली। कई यूजर्स ने इसे बेबुनियाद बताया और कहा कि भारत में ऐसी कोई स्थिति नहीं है। अप्रैल 2026 तक भारत में पेट्रोल की सप्लाई सामान्य रही है और कहीं भी लंबी कतारों की खबर नहीं आई है।

अपने ही बयान से पलटे नकवी

नकवी का ये झूठ ऐसे समय में आया है जब कुछ हफ्ते पहले खुद उन्होंने पीएसएल में दर्शकों की एंट्री पर रोक के पीछे पाकिस्तान में ईंधन संकट को वजह बताया था। उन्होंने कहा था कि मिडिल ईस्ट में चल रहे तनाव के कारण देश में फ्यूल की कमी हो गई है, इसलिए लोगों की आवाजाही सीमित करने के लिए यह फैसला लिया गया। 22 मार्च को उन्होंने इस फैसले के लिए फैंस से माफी भी मांगी थी और कहा था कि सरकार ने लोगों से कम यात्रा करने की अपील की है। ऐसे में स्टेडियम में हजारों लोगों को इकट्ठा होने देना सही नहीं होगा। लेकिन अब उनके ताजा बयान ने पूरी कहानी बदल दी है। एक तरफ पीएसएल के मैच अब भी खाली स्टेडियम में हो रहे हैं, दूसरी तरफ पीसीबी चीफ भारत में संकट होने की बात कर रहे हैं। इस विरोधाभास को लेकर सोशल मीडिया पर उनकी आलोचना हो रही है। यूजर्स सवाल उठा रहे हैं कि अगर पाकिस्तान में कोई संकट नहीं है, तो फिर मैच खाली स्टेडियम में क्यों खेले जा रहे हैं। पीएसएल 2026 फिलहाल अपने अंतिम चरण में है। 14 अप्रैल को एक दिन के ब्रेक के बाद टूर्नामेंट फिर शुरू होगा और 3 मई तक चलेगा।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

इंटीमेट सीन के लिए बेबी-डॉग बनी एक्ट्रेस, हरकतें देख भड़के यूजर्स, बोले- बंद करो

एचबीओ का पॉपुलर और कंट्रोवर्शियल शो यूफोरिया एक बार फिर चर्चा में है। यूफोरिया का सीजन 3 ओटीटी पर आ चुका है। इस बीच शो के ट्रेलर को लेकर सोशल मीडिया पर हंगामा मचा हुआ है। ट्रेलर में एक्ट्रेस सिडनी स्वीनी के कुछ NSFW यानी स्टीमी सीन हैं। इन सीन्स की वजह से एक्ट्रेस समेत शो और उसके मेकर्स की भारी आलोचना हो रही है। ऐसे में चैनल ने ट्रेलर को डिलीट कर उसमें बदलाव किए और नया ट्रेलर अपलोड कर दिया है।

पहले दो सीजन की तरह तीसरे सीजन को मिली-जुली और कुछ हद तक नेगेटिव प्रतिक्रिया मिली है। एचबीओ ने हाल ही में यूफोरिया सीजन 3 का ट्रेलर रिलीज किया था, जिसका टाइटल था वीक्स अहेड। इसमें आने वाले एपिसोड्स की एक झलक दी गई थी। लेकिन ट्रेलर में कुछ खास सेक्शुअली एक्सप्लिसिट शॉट की वजह से इसकी भारी आलोचना हुई। एक सीन में सिडनी स्वीनी के किरदार कैसी (Cassie) को बेबी आउटफिट में पैसिफायर मुंह में लगाकर भद्दे पोज में देखा जा सकता है। दूसरे सीन में वो डॉग आउटफिट पहने अपनी इंटीमेट वीडियो रिकॉर्ड कर रही हैं। इसपर शो में उसका बॉयफ्रेंड नेट जेकब्स (जेकब एलॉर्डी) उससे सेक्शुअल बातें करता है। इन सीन्स को दर्शकों ने पसंद नहीं किया। यूजर्स ने इन्हें महिलाओं का अपमान बताया। इनकी आलोचना हुई, जिसके बाद HBO ने इस ट्रेलर को डिलीट कर दिया।

कहां पहुंची यूफोरिया की कहानी?

यूफोरिया सीजन 3 का पहला एपिसोड 12 अप्रैल 2026 को रिलीज हुआ था। इस एपिसोड में उन कलाकारों और क्रू मेंबर्स को खास श्रद्धांजलि दी गई है जो रिलीज से पहले गुजर गए थे। इसमें एंगस क्लाउड, एरिक डेन और एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर केविन ट्यूरेन शामिल हैं। सीजन 3 की शुरुआत पिछले सीजन के खत्म होने के पांच साल बाद की कहानी से हुई है। अब रू (जेंडेया) और उसके स्कूल के दोस्त बड़े हो चुके हैं और अलग-अलग चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

राधा का विरह और कर्तव्य की पुकार कृष्णावतारम में दिखेगा श्रीकृष्ण का दिव्य स्वरूप

आगामी महाकाव्य फिल्म कृष्णावतारम का ट्रेलर बुधवार को जारी कर दिया गया है। यह ट्रेलर भगवान श्री कृष्ण की दिव्य दुनिया की एक खूबसूरत झलक दिखाता है। इसमें दिखाया गया है कि कैसे नियति उन्हें प्रिय राधा से दूर ले जाती है। 3 मिनट 30 सेकंड का ट्रेलर बहुत शानदार तरीके से पेश किया गया है। इसकी शुरुआत राधा और श्रीकृष्ण की रासलीला से होती है, जो देखने में बेहद आकर्षक लगती है। फिर, इसके बाद जैसे ट्रेलर आगे बढ़ता है, तो कहानी और भावुक हो जाती है। इसमें दिखाया जाता है कि श्रीकृष्ण को अपने कर्तव्य को निभाने के लिए अपने प्रेम का त्याग करना पड़ता है। ट्रेलर में वृंदावन का उनका बचपन, बांसुरी की मधुर धुन और राधा के साथ उनका प्यारा रिश्ता सभी का मन मोह लेता है। श्रीकृष्ण को प्रेम, दया और दिव्य शक्ति का प्रतीक बताया गया है। आगे चलकर कुरुक्षेत्र के युद्ध का दृश्य दिखाया जाता है, जहां श्रीकृष्ण अर्जुन को सही रास्ता दिखाते हैं। यह हमें सिखाता है कि हमेशा धर्म की जीत होती है और अधर्म का अंत होता है। श्रीकृष्ण महाभारत के मुख्य पात्र हैं। उन्होंने भगवदगीता के माध्यम से हमें कर्तव्य, धर्म और भक्ति का गहरा ज्ञान दिया है।

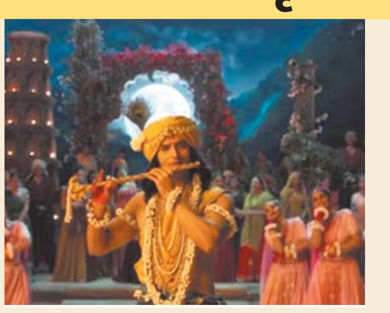

यह फिल्म भक्ति भाव को बड़े पर्दे पर जीवंत रूप में पेश करेगी। फिल्म की पटकथा प्रकाश कपाड़िया और राम मोरी ने लिखी है। अयनंका बोस ने इसकी सिनेमैटोग्राफी का काम संभाला है। संगीत प्रसाद एस का है, प्रोडक्शन डिजाइन चोक्कास भारद्वाज का, कॉस्ट्यूम निधि याशा के और गीत इरशाद कामिल के हैं। हार्दिक गज्जर द्वारा निर्देशित फिल्म ृष्णावतारम को एए फिल्म्स दुनियाभर के सिनेमाघरों में 7 मई 2026 को रिलीज किया जाएगी। इसे क्रिएटिवलैंड स्टूडियोज के साजन राज कुरुप, शोभा संत और अथास्त्रिकथा मोशन पिक्चर्स की पूनम श्रॉफ व पार्थ गज्जर ने बनाया है। यह फिल्म भक्ति

मेट्रो बाजार

आईएमएफ की रिपोर्ट में गुड न्यूज, वैश्विक झटकों के बीच भारत की मजबूत आर्थिक उड़ान

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था लगातार अपनी मजबूती का प्रदर्शन कर रही है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के मुख्य अर्थशास्त्री पियरे-ओलिवियर गौरींचस ने बताया है कि वैश्विक ऊर्जा संकट और अस्थिरता के बावजूद भारत की विकास दर स्थिर बनी हुई है। यह रिपोर्ट उन चिंताओं को काफी हद तक कम करती है जिनमें कहा जा रहा था कि कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों का भारत जैसी तेल पर निर्भर अर्थव्यवस्थाओं पर भारी नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। भारत, जापान, यूएई, नीदरलैंड और चिली के पत्रकारों के साथ एक साक्षात्कार के दौरान गौरींचस ने भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन की सराहना की। आईएमएफ के अनुसार, वित्त वर्ष के आधार पर 2025 में भारत का आर्थिक विकास बहुत ही शानदार रहा है, जिसे 7.6 प्रतिशत आंका गया है। यह सकारात्मक गति यहीं रुकने वाली नहीं है, बल्कि अगले साल भी इसके जारी रहने की पूरी उम्मीद है। मुख्य अर्थशास्त्री ने जानकारी दी है कि आईएमएफ ने 2026 के लिए भारत की विकास दर का अनुमान 6.5 प्रतिशत रखा है, जो उनके पिछले अनुमानों की तुलना में थोड़ा अधिक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि मध्य पूर्व युद्ध का अर्थव्यवस्था पर कुछ नकारात्मक प्रभाव जरूर पड़ रहा है, लेकिन 2025 से मिली मजबूत आर्थिक गति इस नुकसान की आसानी से भरपाई कर रही है।

पेट्रोल पर 18 डीजल पर 35 रुपये/लीटर का नुकसान; चुनाव के बाद समीक्षा संभव

नई दिल्ली। चुनाव के बाद सरकार कर सकती है पेट्रोल-डीजल कीमतों की समीक्षा कर सकती है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में क्रूड की कीमतों में तेज उतार-चढ़ाव के बावजूद सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। इससे उनके मार्जिन पर दबाव बढ़ गया है। तेल कंपनियों को पेट्रोल पर लगभग 18 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर करीब 35 रुपये प्रति लीटर तक का नुकसान उठाना पड़ रहा है। मार्च में हुए भारी घाटे ने जनवरी और फरवरी के मुनाफे को लगभग खत्म कर दिया है, जिसके चलते जनवरी-मार्च तिमाही में इन कंपनियों के नुकसान में जाने की आशंका जताई जा रही है।

वित्तीय सेवा कंपनी मैक्केरी की रिपोर्ट के अनुसार, कच्चे तेल की कीमत 135-165 डॉलर प्रति बैरल रहती है तो यह घाटा और बढ़ने की आशंका है। क्रूड में हर 10 डॉलर की बढ़ोतरी से प्रति लीटर नुकसान करीब 6 रुपये तक बढ़ सकता है। इंडियन ऑयल, भारत पेट्रोलियम और हिंदुस्तान पेट्रोलियम ने अप्रैल 2022 के बाद खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। मार्च तक तीनों कंपनियों का संयुक्त दैनिक नुकसान करीब 2,400 करोड़ रुपये था। केंद्र सरकार द्वारा उत्पाद शुल्क में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती के बाद ये घटकर रोजाना लगभग 1,600 करोड़ रह गया है। भारत की मजबूत आर्थिक बुनियाद कच्चे तेल के झटकों को काफी हद तक संभाल सकती है। हालांकि, अगर औसत मूल्य 130 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना रहता है तो देश की आर्थिक वृद्धि दर लगभग 0.8 फीसदी कम हो सकती है। रेटिंग एजेंसी एसएंडपी के अनुसार, 2026-27 के दौरान तेल कंपनियों की परिचालन आय में 15 से 25 फीसदी तक गिरावट आ सकती है।

पश्चिम एशिया संकट का असर

अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में 7.9 फीसदी गिरावट, एयरलाइन कंपनियों ने भी टाली प्लानिंग

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान के बीच चल रहे तनाव का असर अप्रैल महीने की हवाई यात्रा पर पड़ा है। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में व्यवधान देखने को मिला। जबकि वैश्विक व्यापार भी इससे प्रभावित हुआ है, जिससे कई देशों की आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ रहा है।

ओएजी के हालिया आंकड़ों से पता चलता है कि अप्रैल महीने में देश की कुल विमानन क्षमता जिसमें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय में हल्की गिरावट दर्ज की गई है। यह कमी करीब 0.2 प्रतिशत रही। इस गिरावट की बड़ी वजह अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की क्षमता में आई तेज कमी है, जो लगभग 7.9 प्रतिशत तक पहुंच गई। इसके पीछे पश्चिम एशिया में कमजोर मांग को प्रमुख कारण माना जा रहा है। हालांकि घरेलू उड़ानों की क्षमता में 3.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी जरूर हुई, लेकिन यह बढ़ोतरी

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आई कमी की भरपाई नहीं कर पाई।

लेकिन इसी दौरान एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में इजाफा होने से घरेलू हवाई किराए भी बढ़ गए हैं। किराए में इस तेजी का असर यात्रियों की मांग पर पड़ सकता है। भविष्य में में यात्रा की संख्या प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। अप्रैल महीने में एयरलाइंस की कुल सीट क्षमता में गिरावट दर्ज की गई है। अंतरराष्ट्रीय और घरेलू उड़ानों को मिलाकर इस दौरान कुल 73.6 लाख सीटें उपलब्ध रहीं। जो पिछले साल अप्रैल में 79 लाख सीटों के मुकाबले कम हैं।

हिमाचल दिवस पर संस्कृति की झलक

धर्मशाला के पुलिस मैदान में मनाया गया हिमाचल दिवस इस वर्ष खास रंग और उल्लास से भरपूर रहा। इस अवसर पर प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की झलक देखने को मिली। युवा कलाकारों ने पारंपरिक 'गद्दी नाटी' नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। रंग-बिरंगे परिधानों और मधुर लोकधुनों के बीच प्रस्तुत इस नृत्य ने न केवल संस्कृति को जीवंत किया, बल्कि नई पीढ़ी के उत्साह और जुड़ाव को भी दर्शाया। कार्यक्रम में स्थानीय लोगों के साथ-साथ पर्यटकों ने भी बढ़-चढ़कर भाग लिया और हिमाचली संस्कृति की सराहना की।

नोएडा बवाल में बड़ा खुलासा

तेलंगाना और कर्नाटक से निकली चिंगारी, व्हाट्सएप मैसेज ने भड़काई आग

नोएडा। नोएडा में हुए बवाल में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। नोएडा शहर में वेतन वृद्धि को जो आग भड़की उसकी चिंगारी तेलंगाना और कर्नाटक से व्हाट्सएप के जरिये आई थी। कई संगठन के लोग दूर के राज्यों में बैठकर कई व्हाट्सएप ग्रुप को हैंडल कर रहे थे। वहीं, एसटीएफ हिंसा के दौरान बनाए गए 500 से अधिक वीडियो को खंगाल रही है। व्हाट्सएप और टेलीग्राम ग्रुप भी उसके रडार पर हैं।

एसटीएफ को पता चला है कि कुछ टेलीग्राम ग्रुप भी श्रमिकों के प्रदर्शन को उकसाने के लिए बनाए गए थे। जांच में यह बात सामने आई है कि तेलंगाना व कर्नाटक से कुछ लोगों की डिजिटल ट्रेल मिली है। यानी वहां से कई टेलीग्राम व व्हाट्सएप ग्रुप पर दिशा-निर्देश दे रहे थे। इन ग्रुपों में नोएडा में काम करने वाले काफी संख्या में श्रमिकों को जोड़ा गया था। एसटीएफ की टीम तकनीकी पहलुओं पर भी जांच आगे बढ़ा रही है। हिंसक प्रदर्शन के दौरान नोएडा में उपद्रव प्रभावित क्षेत्रों में हजारों वीडियो बनाए गए थे। सैकड़ों वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं।

ड्रैगन ने भुगता ट्रंप की नाकेबंदी का खामियाजा

चीन के एक लोडेड टैंकर को 48 घंटे में दो बार होर्मुज से लौटना पड़ा वापस

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेरिका ने ईरानी बंदरगाहों से निकलने वाले जहाजों पर पूरी तरह नाकाबंदी कर रखी है। नाकाबंदी ईरानी बंदरगाहों पर है लेकिन यूएई से निकले चीनी जहाजों को भी इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। पूरी तरह से लोडेड चीन के एक टैंकर को 48 घंटे में दो बार होर्मुज से वापस लौटना पड़ा है।

चीन के जहाज का होर्मुज से दो बार लौटना दिखाता है कि वो रिस्क का आकलन कर रहा है। विश्लेषकों का कहना है कि होर्मुज स्ट्रेट में किसी भी देश के जहाजों को कोई विशेष छूट नहीं दी जा रही है। मिंगकुन टेक्नोलॉजी के डेटा के अनुसार, 'रिच स्टार्री' नाम का जहाज मंगलवार सुबह करीब 2 बजे होर्मुज स्ट्रेट पार कर ओमान की खाड़ी में पहुंचा। हालांकि, दोपहर करीब 3 बजे उसने यू-टर्न लिया और वापस उसी रास्ते से लौट गया। बुधवार शाम तक ये जहाज ईरान के लारक द्वीप के दक्षिण-पश्चिम में लंगर डाले खड़ा था।

यूएई के शारजाह से चला था चीनी टैंकर

188 मीटर लंबा यह तेल और केमिकल टैंकर सोमवार को यूएई के शारजाह तट से रवाना हुआ था और स्ट्रेट की ओर बढ़ा था। लेकिन मरीनट्रैफिक के अनुसार, जैसे ही यह चोक पॉइंट के पास पहुंचा, कुछ ही मिनटों में वापस मुड़ गया। अमेरिकी प्रतिबंध झेल रहा जहाज अफ्रीकी देश मलावी के झंडा के तहत समंदर में चलता है लिए चलता है। बताया जा रहा है कि यह यूएई से लगभग 2 ।5 लाख बैरल मेथनॉल लेकर जा रहा था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को सोशल मीडिया के जरिए इस नाकाबंदी की घोषणा की थी, जब इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के बीच हुई बातचीत बिना किसी समझौते के खत्म हो गई। इसके बाद अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड (ष्टश्वहृञ्जष्टह्र) ने कहा कि यह नाकाबंदी सभी देशों के जहाजों पर समान रूप से लागू होगी, चाहे वे ईरानी बंदरगाहों या फारस की खाड़ी और ओमान की खाड़ी के तटीय इलाकों में एंट्री कर रहे हों या निकल रहे हों। समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, मंगलवार को कम से कम आठ जहाजों ने इस स्ट्रेट को पार करने की कोशिश की, जिनमें चीनी स्वामित्व वाला ये टैंकर भी शामिल था।

तीन साल पहले अमेरिका ने चीनी जहाज को किया था ब्लैकलिस्ट

2023 में अमेरिका ने 'रिच स्टार्री' को ब्लैकलिस्ट कर दिया था। उसका आरोप था कि यह जहाज ईरान को ऊर्जा बैन से बचा रहा है। चीन के सरकारी प्रसारक सीसीटीवी ने बताया कि दो अन्य जहाज होर्मुज स्ट्रेट पार कर ईरानी जलक्षेत्र में प्रवेश कर गए। इनमें एक कच्चा तेल ले जाने वाला जहाज था, जिसकी क्षमता 20 लाख बैरल तक है और उस पर पहले अमेरिकी प्रतिबंध लग चुके थे, जबकि दूसरा खाद्य सामग्री से भरा बल्क कैरियर था। रिपोर्ट में कहा गया कि इन दोनों जहाजों को होर्मुज से गुजरने में किसी तरह की रुकावट का सामना नहीं करना पड़ा। बीजिंग स्थित साउथ चाइना सी स्ट्रैटेजिक सिचुएशन प्रोबिंग इनिशिएटिव के निदेशक हू बो ने कहा कि अमेरिका की नाकाबंदी में चीन को कोई विशेष छूट नहीं मिली है। सेवानिवृत्त पीएलए कर्नल और सैन्य विश्लेषक यूए गांग ने हॉन्गकॉन्ग स्थित न्यूज वेबसाइट साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट से कहा कि तकनीकी रूप से 'रिच स्टार्री' नाकाबंदी के दायरे में नहीं आता, क्योंकि यह ईरानी बंदरगाह से नहीं बल्कि यूएई से चला था। हालांकि, इसके खिलाफ लगे प्रतिबंधों के कारण जहाज ने रिस्क न लेते हुए वापस लौटने का फैसला किया। उन्होंने कहा, जहाज के क्रू बलि का बकरा नहीं बनना चाहते थे, इसलिए वापस लौटना ही सुरक्षित विकल्प था।

अगले हफ्ते यूएस दौरे पर जाएगा भारतीय डेलिगेशन

ट्रेड डील और नए टैरिफ स्ट्रक्चर पर होगी बात

एजेंसी, नई दिल्ली

अमेरिका और भारत के बीच प्रस्तावित ट्रेड डील पर नया अपडेट सामने आया है। भारत का एक डेलिगेशन इस मुद्दे पर बातचीत के लिए अगले सप्ताह अमेरिका का दौरा करेगा। यह बातचीत अमेरिका के नए टैरिफ स्ट्रक्चर पर स्पष्टता लाने के लिए होगी। सूत्रों की मानें तो भारतीय वार्ताकारों की टीम 20 से 22 अप्रैल के बीच अमेरिका का दौरा करेगी, जहां दोनों देशों का जोर ट्रेड डील और टैरिफ से जुड़े अनसुलझे मुद्दों को सुलझाकर समझौते को अंतिम रूप देने पर रहेगा।

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित ट्रेड डील को लेकर यह ताजा अपडेट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच 14 अप्रैल को द्विपक्षीय संबंधों और आर्थिक सहयोग के मुद्दे पर हुई 40 मिनट की टेलिफोन बातचीत के बाद आया है। अमेरिका-ईरान के बीच दो सप्ताह के अस्थायी संघर्षविराम और इस्लामाबाद में वार्ता विफल होने के बाद दोनों नेताओं की पहली बातचीत थी। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने बातचीत को सकारात्मक बताते हुए कहा कि दोनों नेताओं ने प्रस्तावित टेड डील सहित कई अहम क्षेत्रों पर चर्चा की।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील का स्टेटस

भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम ट्रेड डील का फ्रेमवर्क पहले ही तय हो चुका है और अब बातचीत निर्णायक चरण में है। यह डील मार्च में साइन होनी थी, लेकिन अमेरिका में टैरिफ से जुड़े बदलावों के चलते इसमें देरी हुई। अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के रेसिप्रोकल टैरिफ को अवैध बताकर रद्द कर दिया था। इसके बाद ट्रंप प्रशासन ने 24 फरवरी से 150 दिनों के लिए सभी देशों पर 10 प्रतिशत टैरिफ लागू किया। ट्रंप ने कहा था कि उन देशों के लिए टैरिफ में कोई बदलाव नहीं होगा, जिनके साथ ट्रेड डील पर सहमति बन चुकी है।

उन्होंने संकेत दिया कि भारत और अमेरिका के बीच ऊर्जा समेत कई बड़े समझौते आने वाले दिनों में सामने आ सकते हैं। पीएम मोदी ने भी ङ्ग पर एक पोस्ट करके राष्ट्रपति ट्रंप के साथ हुई बातचीत की जानकारी दी। उन्होंने लिखा, मेरे मित्र, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का फोन आया। हमने विभिन्न क्षेत्रों में अपने द्विपक्षीय सहयोग में हुई महत्वपूर्ण प्रगति की समीक्षा की।

आंध्र के कुरनूल में सड़क हादसा, बोलेरो-लॉरी में भिड़ंत, 8 तीर्थयात्रियों की मौत

अमरावती। आंध्र प्रदेश के कुरनूल में गुरुवार को एक बोलेरो गाड़ी और लॉरी (ट्रक) के बीच जोरदार टक्कर हो गई। इस दर्दनाक हादसे में बोलेरो में सवार 8 तीर्थयात्रियों की मौत हो गई, जबकि 10 से 12 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हादसे का शिकार हुए सभी लोग कर्नाटक के रहने वाले थे और तीर्थयात्रा पर निकले थे।

कुरनूल पुलिस ने बताया कि मंत्रालयम मंडल में चिलकलडोना गांव के पास सड़क हादसे की जानकारी

मिली थी। लोगों ने बताया कि एक बोलेरो और लॉरी में आमने-सामने की टक्कर हो गई है, जिसमें कई लोगों की मौत हो गई है। हादसे की सूचना मिलते ही कुरनूल पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। बोलेरो में फंसे घायलों को कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला गया। पुलिस ने बताया कि 10 से 12 घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। उन्हें एमिगनूर अस्पताल में शिफ्ट किया गया है, जहां डॉक्टर उनकी जान बचाने की कोशिश कर रहे हैं। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि हादसे का शिकार हुए सभी लोग कर्नाटक के चिकमगलूर जिले के निवासी थे और कर्नाटक से आ रहे थे, तभी बोलेरो और सामने से आ रही लॉरी में जोरदार टक्कर हो गई।

लखनऊ अग्निकांड: छह बच्चे अब भी लापता, दो सौ से ज्यादा झोपड़ियां राख

लखनऊ। विकासनगर सेक्टर-12 रिंग सड़क किनारे बस्ती अवैध बस्ती में बुधवार शाम आग लग गई। देखते ही देखते आग ने 1200 झोपड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया। झोपड़ियों में रखे 100 के करीब गैस सिलिंडर भी फटे। आग से पूरे इलाके में भगदड़ मच गई। बस्ती में बनी झोपड़ियों से लोग जान बचाकर भागने लगे। 22 दमकल की गाड़ियों ने मिलकर आग बुझाने का काम शुरू किया जो रात 10 बजे तक चलता रहा। आग से 50 के करीब मवेशियों के जिंदा जलने की सूचना है, पर इसकी पुष्टि नहीं हुई। कुछ बच्चे भी लापता है।

फ्रांस भारत के सबसे भरोसेमंद और मित्रवत साझेदारों में से एक : बिरला

नई दिल्ली। लोकसभा के स्पीकर ओम बिरला ने फ्रांस को भारत के सबसे भरोसेमंद और मित्रवत साझेदारों में से एक बताते हुए दोनों देशों के बीच गहरे और अटूट संबंधों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच सौहार्दपूर्ण व्यक्तिगत संबंध द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत और गहरा करने के लिए एक सशक्त प्रेरणा प्रदान करते हैं।

बिरला ने ये टिप्पणियां फ्रांस की

सीनेट के फ्रांस-भारत अंतर-संसदीय मैत्री समूह के साथ बातचीत के दौरान कीं, जिसने बुधवार को संसद भवन में उनसे मुलाकात की। ओम बिरला ने फरवरी 2026 में राष्ट्रपति मैक्रों की भारत यात्रा को याद करते हुए कहा कि द्विपक्षीय संबंधों को %विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी% के स्तर तक ऊपर उठाना दोनों देशों के बीच आपसी विश्वास और सहयोग की बढ़ती गहराई को दर्शाता है। लोकसभा अध्यक्ष ने फ्रांस की संसद में महिलाओं की महत्वपूर्ण भागीदारी (जो 36 प्रतिशत से अधिक है) की सराहना करते हुए कहा कि भारत भी महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए निरंतर विधायी और संस्थागत प्रयास कर रहा है।

दिल्ली में 29 अप्रैल को होगा महापौर और उपमहापौर चुनाव

नई दिल्ली। एमसीडी में महापौर और उपमहापौर पद के चुनाव 29 अप्रैल को कराए जाएंगे। इस संबंध में महापौर राजा इकबाल सिंह ने चुनाव कार्यक्रम को मंजूरी दे दी है। चुनाव के लिए सदन की बैठक भी 29 अप्रैल को बुलाई गई है जबकि अधिसूचना बृहस्पतिवार को जारी होगी। नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 23 अप्रैल निर्धारित की गई है। उम्मीदवार चाहें तो तय समय सीमा के भीतर अपना नाम वापस भी ले सकेंगे।

निगम सचिव कार्यालय में पार्षद अपने-अपने दलों की ओर से नामांकन दाखिल करेंगे। क्योंकि, एमसीडी में अब एक भी निर्दलीय पार्षद नहीं है। चुनाव प्रक्रिया को लेकर निगम प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी है। सदन में वर्तमान संख्या बल को देखते हुए भाजपा की स्थिति मजबूत मानी जा रही है। एमसीडी में भाजपा के पास पूर्ण बहुमत होने के कारण इन दोनों प्रमुख पदों पर उसकी जीत लगभग सुनिश्चित मानी जा रही है। महापौर और उपमहापौर चुनाव के साथ ही सदन में स्थायी समिति के तीन सदस्यों का भी चुनाव किया जाएगा। यह चुनाव इसलिए आवश्यक हो गया है क्योंकि समिति के छह निर्वाचित सदस्यों में से तीन का कार्यकाल पूरा हो चुका है। सेवानिवृत्त हुए सदस्यों में दो आम आदमी पार्टी और एक भाजपा पार्षद शामिल हैं। सदन में संख्या बल के आधार पर भाजपा यहां भी बढ़त बना सकती है और तीन में से दो सीटों पर जीत दर्ज कर सकती है।

दोपहर मेट्रो

पाकिस्तान के पुलिस महकमे में लैंगिक असमानता जबरदस्त

रिपोर्ट में चौंकाने वाला दावा: महिलाओं की तादाद बेहद कम

एजेंसी, लंदन

पाकिस्तान की पुलिस फोर्स में महिलाओं की हिस्सेदारी बहुत कम है, जो कुल वर्कफोर्स का तीन फीसदी से भी कम है। इसका नकारात्मक असर भी देश और समाज पर दिखने लगा है। एक रिपोर्ट आंकड़ों की जुबानी बदहाली की दास्तां सुनाती है। इसके अनुसार महिलाओं की कमी से कई अपराध दर्ज ही नहीं होते हैं। कई और परेशानियां खड़ी होती हैं, जैसे- जेंडर क्राइम में जांच की दिशा गलत होती है, कानूनी नियमों का पालन नहीं किया जाता है, नतीजतन न्याय नहीं मिलता और पुलिस के प्रति अविश्वास भी बढ़ता है।

वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) के ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स 2024 में पाकिस्तान 146 देशों में 145वें स्थान पर था – जो गहरी जड़ें जमा चुकी लैंगिक असमानता को दिखाता है। यूके

के अखबार एशियन लाइट की रिपोर्ट बताती है कि, पाकिस्तान साउथ एशिया के देशों से बहुत पीछे है। यहां पुलिस महकमे में महज 3 फीसदी महिलाएं कार्यरत हैं। इसकी हालत अफगानिस्तान जितनी ही खराब है। नवीनतम आंकड़ों के मुताबिक, नेपाल में महिला पुलिस कर्मचारियों की संख्या 11.73 फीसदी, श्रीलंका में 11.5 फीसदी, बांग्लादेश में 8.63 फीसदी जबकि भारत में कुल पुलिस वर्कफोर्स में महिला कर्मचारियों की संख्या 12.60 फीसदी है।

महिलाओं की संख्या 2.62%

पाकिस्तान के अलग-अलग राज्यों में लैंगिक असमानता को लेकर, रिपोर्ट में बताया गया है कि सिंध में पुलिस फोर्स में महिलाओं की संख्या सिर्फ 2.62 फीसदी, खैबर पख्तूनख्वा में 1.46 फीसदी और बलूचिस्तान में 1.74 फीसदी है। रिपोर्ट में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) और पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान (पीओजीबी) की बहुत खराब तस्वीर बताई गई है, जहां महिलाओं की नुमाइंदगी महज 2.48 फीसदी और 3.36 फीसदी हैं।

पंजाब प्रांत में जमीनी हकीकत चिंताजनक

सियासी तौर पर काफी प्रभावी माना जाने वाले पंजाब प्रांत में 4.4 फीसदी महिला पुलिसवालों की ज्यादा हिस्सेदारी होने के बावजूद – जमीनी हकीकत अभी भी चिंताजनक बनी हुई है। रिपोर्ट में पंजाब के कसूर इलाके की एक 13 साल की रेप पीड़िता का जिक्र है, जिसने पाकिस्तानी कोर्ट से आरोपी के बरी होने के बाद खुद को आग लगा ली थी। पुलिस फोर्स में औरतों के गिरते प्रतिनिधित्व और न्यायिक व्यवस्था में लीगल अकाउंटेबिलिटी की कमी पर गंभीर चिंता जताते हुए, पेशावर के शोधार्थी फुरकान अली ने एशियन लाइट के हवाले से कहा-पाकिस्तान में जेंडर-बेस्ड क्राइम के लिए सजा की दर बहुत कम हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564